RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 168 , शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डीएम ने किया केंद्रीय कारा का निरीक्षण, 'सदाचार वाटिका' का उद्घाटन कर सुनीं बंदियों की समस्याएं 03

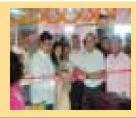
सदर अस्पताल में ऑनलाइन व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित 04

कृति सेनन ने कभी नहीं सोचा था अभिनेत्री बनने के बारे में 07

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में घर खरीदना हुआ महंगा

- जमीनों की आरक्षित दरें 47 फीसदी तक बढ़ाई

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में आमजन को सस्ते आवास देने के लिए सरकार ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड प्रशासन ने हमारा प्रयास-सबको आवास का नारा दिया था। लेकिन लगातार जमीनों की बढ़ती

आरक्षित दरें अब इस नारे को फेल साबित कर रही हैं। क्योंकि बोर्ड प्रशासन ने एक बार फिर प्रदेश में बसाई कॉलोनियों की आरक्षित दरों में इजाफा किया है। ये बढ़ोतरी 47 फीसदी तक की है।
हाउसिंग बोर्ड से जारी नई दरों में सबसे ज्यादा कीमतें जयपुर की वाटिका योजना में बढ़ाई हैं। इस योजना पहले जिस जमीन की आरक्षित दर 7045 रुपए प्रति वर्गमीटर थी, उसे बढ़ाकर अब 10,370 रुपए प्रति वर्गमीटर (47 फीसदी का इजाफा) कर दिया है।

राजा मर्डर केस- सोनम रघुवंशी फिर जेल गई

सुप्रीम कोर्ट बोला था- तकनीकी खामी के आधार पर जमानत देना सही नहीं

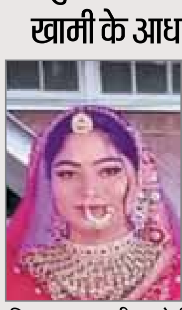

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी ने बुधवार को मेघालय के शिलॉन्ग कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उसे जेल भेज दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई को सोनम की जमानत रद्द करते हुए उसे तीन हफ्ते के भीतर संबंधित अदालत में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। ये अवधि पूरी होने से पहले ही सोनम सरेंडर करने कोर्ट पहुंच गई। कोर्ट ने कहा था- हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी।

3 राज्यों में उपचुनाव-

मप्र के दतिया में 69 प्रतिशत वोटिंग

भोपाल / पटना / अहमदाबाद (एजेंसी)। बिहार, गुजरात और मध्य प्रदेश की बांकीपुर, मंजलपुर और दतिया विधानसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान

जारी है। सुबह 1 बजे तक मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर सबसे ज्यादा 69 प्रतिशत मतदान, गुजरात की मंजलपुर सीट पर 28.27 प्रतिशत और बिहार की बांकीपुर सीट पर 27.5 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। तीनों सीटों पर मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो हो जाएगा। जबकि 3 अगस्त को मतगणना होगी।

पत्थर कारोबारी के घर 28 करोड़ कैश, 15 किलो सोना मिला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने बुधवार रात एक छापेमारी में 28.5 करोड़ से ज्यादा कैश और 15 किलो सोना बरामद किया। सोने की कीमत करीब 21.5 करोड़ आंकी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब 50 करोड़ की है। नोटों का ढेर इतना बड़ा था कि उन्हें गिनते-गिनते 5 करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं।

जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों पर नहीं होगी कानूनी कार्रवाई, पर अपराधियों को राहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल लोगों के लिए एक बड़ी राहत की बात है कि दिल्ली सरकार ने तय किया है कि उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने साफ किया है कि इस मामले को बंद माना जाएगा और भविष्य में इस आधार पर कोई नई कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी।

विपक्ष के हंगामे के बीच राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित

वंदे मातरम् बिल भी संसद के दोनों सदनों में पास

नईदिल्ली (एजेंसी)। संसद का सत्र अब तक बेहद हंगामेदार रहा है। पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज और प्रोटेस्ट के बाद गिरफ्तारियों पर विपक्ष ने संसद में जमकर हंगामा किया। सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक पेश होने और फिर उस पर चर्चा के दौरान भी काफी नारेबाजी होती रही। हालांकि, बाद में यह बिल ध्वनिमत से लोकसभा में पास हो गया। इतना ही नहीं वंदे मातरम् बिल भी संसद के दोनों सदनों में पास हो गया।

अमित शाह रखेंगे प्रस्ताव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यह प्रस्ताव रखेंगे कि राज्यसभा से पारित राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में और संशोधन करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए। साथ ही, वे यह प्रस्ताव भी रखेंगे कि विधेयक को पारित किया जाए।

शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा देती है मनुस्मृति, खरगे के बयान पर राज्यसभा में बवाल

एंटी पेपर लीक बिल को राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पेश किया। इस बिल पर चर्चा की शुरुआत राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने की। खरगे ने कहा कि 12 साल में पहली बार शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ।सरकार ने पेपर लीक और प्रदर्शन के दौरान छात्रों

की बात नहीं सुनी। बाद में जेपी नड्डा ने उन्हें बुलाया। ये पहले हो गया होता तो छात्रों को लाठी नहीं खानी पड़ती। खरगे ने इस दौरान मनुस्मृति को लेकर चर्चा की, जिसके चलते राज्यसभा में जोरदार हंगामा देखने को मिला। विपक्ष के हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका, जिसके कारण राज्यसभा की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की मनुस्मृति के बारे में की गई टिप्पणी ने विवाद को बढ़ाया। खरगे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा दिया है, जिस पर राजकोषीय पीठ ने कड़ी आपत्ति जताई।

सावन माह की शुरुआत, शिवालयों में उमड़ी भीड़

- बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए 380 किमी की दंडवत यात्रा, पति-पत्नी की भक्ति देख हर कोई हैरान

भागलपुर (एजेंसी)। 30 जुलाई से श्रावण मास की शुरुआत हो गई है। देशभर के शिवालयों में सुबह से भीड़ देखी जा रही थी। वहीं श्रावणी पर्व के चलते आस्था और भक्ति की अनोखी तस्वीरें लगातार सामने आ रही हैं। भागलपुर जिले के नवगछिया में एक ऐसा दंपति कांवरिया लोगों के आकर्षण का केंद्र बना, जो पश्चिम बंगाल से दंडवत यात्रा करते हुए सुल्तानगंज पहुंच रहा है। पति-पत्नी बारी-बारी से दंडवत करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम तक की कठिन यात्रा पूरी कर रहे हैं। उनकी अटूट श्रद्धा और समर्पण को देखकर लोग भी उनकी हौसला अफजाई कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल से शुरू की दंडवत यात्रा

भागलपुर जिले के नवगछिया पुलिस जिला क्षेत्र में एक अनोखा दंपति कांवरिया देखने को मिला। यह दंपति पश्चिम बंगाल स्थित अपने पैतृक गांव से दंडवत यात्रा करते हुए सुल्तानगंज की ओर बढ़ रहा है। दोनों का संकल्प है कि पहले वे सुल्तानगंज के अजगैवीनाथ मंदिर पहुंचेंगे, वहां गंगा स्नान करेंगे और इसके बाद फिर दंडवत यात्रा करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक करेंगे।

पति थकते हैं तो पत्नी संभाल लेती हैं यात्रा- इस दंपति की सबसे खास बात यह है कि जब पति दंडवत करते-करते थक जाते हैं तो उनकी पत्नी आगे बढ़कर दंडवत यात्रा जारी रखती हैं।

मनोकामना पूरी होने की कामना लेकर निकले

बाबा भोले के भक्तों ने बताया कि वे अपनी कुछ मनोकामनाओं को लेकर यह कठिन दंडवत यात्रा कर रहे हैं। उनका विश्वास है कि बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक से उनकी सभी इच्छाएं पूरी होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक पूरी यात्रा के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है।

राजस्थान समेत 16 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट, हरिद्वार में कांवड़िया बहा

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, केदारनाथ यात्रा रोकी गई

नईदिल्ली/भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना (एजेंसी)। देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने राजस्थान समेत 16 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में रेड अलर्ट है। मप्र में भारी संभावना जताई है। रेड अलर्ट का मतलब है 24 घंटे में 204 किमी से ज्यादा बारिश।उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास लैंडस्लाइड होने से केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन बंद है।

पहाड़ी-मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। गंगाजल भरने गए कांवड़िए को एसटीआरएफ टीम ने बहने से बचा लिया।

सरयू नदी का कटाव तेज हो गया है। पानी गांवों में घुसा - उत्तर प्रदेश के बलिया में सरयू नदी का कटाव तेज हो गया है। पानी गांवों में घुस गया है। गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर घटने से कटान और तेज हो गया है। वहीं असम में बाढ़ प्रभावित 13000 परिवार 11 दिन बाद भी अंधेरे में रह रहे हैं।

राजस्थानः जयपुर, प्रतापगढ़ और दौसा में एक इंच तक बारिश- बंगाल की खाड़ी में

बने डीप डिप्रेशन सिस्टम के असर से राजस्थान में लगातार बरसात हो रही है। आज इस सिस्टम का सर्वाधिक असर देखने को मिलेगा। आज 11 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

नम आंखों के साथ अजिंक्य रहाणे ने लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास

2023 से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेले,6 टेस्ट में कप्तानी भी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशों में खेलने वाले भारत के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब उनके लिए 'आगे बढ़ने' का सही समय है। 38 साल के रहाणे ने 2013 में शुरू हुए अपने करियर में भारत के लिए कुल 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 मैच खेले।

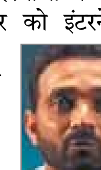

हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ 2023 की अवे टेस्ट सीरीज के बाद से वह भारत के लिए नहीं खेले हैं। रहाणे ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर किया।

हॉकी इंडिया की जर्सी का रंग बदलने पर सियासी बवाल

प्रियंका गांधी बोलीं- सरकार का असली इरादा सामने आया

नई दिल्ली(एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से बदलकर केसरिया करने की आलोचना की। उन्होंने इस कदम को देश का इतिहास फिर से लिखने की कोशिशों से जुड़ी बड़ी चिंताओं से जोड़ा। संसद के मानसून सत्र के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की पहचान अहिंसा, सच्चाई और भाईचारे में बसी है और इन मूल्यों को छीना नहीं जा सकता। उनकी यह टिप्पणी हॉकी इंडिया द्वारा आगामी एफआईएच पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप से पहले 27 जुलाई को सीनियर पुरुष और महिला टीमों के लिए नई जर्सी जारी करने के बाद आई है। कांग्रेस सांसद ने कहा, चाहे वे यूनिफॉर्म बदलें या शिक्षा नीति के जरिए इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करें, वे कुछ भी करें... आपने देखा है कि हमारे देश के युवा इस बारे में क्या सोचते हैं। आपने सुना कि जंतर-मंतर पर जमा युवा क्या कह रहे थे। यह देश की आवाज है।कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, इस देश की आजादी की लड़ाई अहिंसा और सच्चाई पर आधारित थी। इसमें आरएसएस की कोई भूमिका नहीं थी। पूरा देश सच्चाई जानता है और जो लोग नहीं जानते थे उन्हें अब पता चल रहा है कि उनके असली इरादे क्या हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया दिल्ली सरकार को आदेश

- *पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं*
- *केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे*

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी।

मप्र धार-भोजशाला से सटी जमीन पर नमाज की अनुमति, हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे तक अदा की जा सकेगी नमाज

सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला-कमाल मौला विवाद में अपने अंतरिम आदेश को स्पष्ट करते हुए मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार की नमाज के लिए भोजशाला परिसर से सटे एक प्लाट पर अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि दर्गाह की जमीन पर स्थित प्लाट खसरा नंबर 596 पर प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक नमाज अदा की जा सकेगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि चयनित प्लाट तक अलग रास्ता है। वह विवादित परिसर के बिल्कुल पास है, इसलिए यह उपयुक्त स्थान है। कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा- अगर दोनों पक्ष आपसी सहमति से कोई अन्य उपयुक्त स्थान तय करते हैं, तो उस पर भी रोक नहीं होगी। यह आदेश उस याचिका पर आया, जिसमें मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले के बाद शुक्रवार की नमाज के लिए भोजशाला के निकट वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग की थी।

सरकार ने ई20 पेट्रोल को वाहनों के लिए सुरक्षित बताया

पेट्रोल में एथनॉल मिलाने का बचाव किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने गुरुवार को अपने एथनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम का बचाव करते हुए कहा कि अपने पूर्ण रुप से जांच कर ली है, '20 पेट्रोल से किसी भी गाड़ी की आयु कम होने या इंजन बंद होने की समस्या नहीं आएगी। सरकार ने कहा कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से उपभोक्ताओं को राहत देने में मदद की है।

पेट्रोलियम मंत्री ने दिया जवाब- लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, वाहन विनिर्माताओं, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम), तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) और अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ परामर्श कर चरणबद्ध एवं वैज्ञानिक तरीके से लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि एआरएआई, सियाम, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारतीय

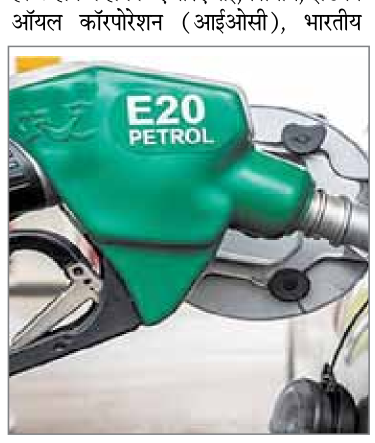

पेट्रोलियम संस्थान और वाहन विनिर्माताओं द्वारा किए गए प्रयोगशाला अध्ययन और क्षेत्रीय परीक्षणों से पुष्टि हुई है कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 ईंधन का उपयोग सुरक्षित है।

गोपी ने कहा, इन अध्ययनों से यह भी पता चला है कि पुराने वाहनों के प्रदर्शन में ई20 के कारण कोई महत्वपूर्ण बदलाव या इंजन में असामान्य नुकसान देखने को नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला अध्ययन, क्षेत्रीय सत्यापन और वास्तविक उपयोग में वाहनों के प्रदर्शन पर व्यापक प्रतिकूल प्रभाव का कोई प्रमाण नहीं मिला है। सरकार ने कहा कि व्यापक स्तर पर, ई15 प्लस पेट्रोल (15 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) का इस्तेमाल साढ़े तीन साल से अधिक समय से और ई19-ई20 (19/20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) ईंधन का उपयोग ढाई साल से अधिक समय से हो रहा है। उसने कहा कि 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और तीन करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें इन मिश्रित ईंधनों के जरिये परिचालित हो रही हैं, लेकिन एथनॉल मिश्रण के कारण व्यापक स्तर पर इंजन खराब होने या वाहनों के बड़े पैमाने पर खराब होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

ईरान-अमेरिका जंग में पहली बार मिस्र पर हमला

दमियाता पोर्ट पर ड्रोन अटैक, गैस से लदे दो जहाजों में आग लगी

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान/ तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका के बीच जारी जंग अब मिस्र तक पहुंच गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक मिस्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि दमियाता पोर्ट पर दो गैस टैंकरों में लगी आग हादसा नहीं, बल्कि ड्रोन हमले का नतीजा थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्रोन ने अमेरिकी कंपनी के नैचुरल गैस स्टोरेज टैंकर एनरगोस विंटर को निशाना बनाया, जिसके बाद आग पास में खड़े दूसरे टैंकर गैसलॉग सलेम तक फैल गई। हालांकि, दमकल टीम ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया और कोई हताहत नहीं हुआ। इस हमले के पीछे ईरान का हाथ बताया जा रहा है।

ट्रम्प ने ईरान को फिर दी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर हालात बिगड़े तो अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा। हालांकि, उन्होंने भविष्य में समझौते की संभावना से भी इनकार नहीं किया।

ईरान बोला- हमारी इजाजत के बिना होर्मुज से कोई जहाज नहीं गुजरेगा- ईरानी नौसेना ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री क्षेत्र पर उसका पूरा नियंत्रण है। उसने कहा कि उसकी अनुमति के बिना किसी जहाज की आवाजाही नहीं हो सकती।

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएफ जवान पिंटू कुमार को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई, ड्यूटी के दौरान निधन, 2016 में हुए थे भर्ती

हाजीपुर। वैशाली के राजापाकर प्रखंड के फरीदपुर गांव निवासी सीआरपीएफ जवान पिंटू कुमार (32) को गुरुवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनका निधन झारखंड के चाईबासा में ड्यूटी के दौरान अस्वस्थ होने के कारण हुआ था। गुरुवार को उनका पार्थिव शरीर गांव फरीदपुर पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और शुभचिंतक उमड़ पड़े। इस दौरान हर आंख नम थी और सभी वीर सपूत की देशसेवा को नमन कर रहे थे। इसके बाद हाजीपुर के कोनहारा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। भारत माता के जयकारों और श्रद्धांजलि के नारों के बीच जवान को अंतिम विदाई दी गई। जानकारी के अनुसार, चाईबासा में ड्यूटी के दौरान पिंटू कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें तत्काल इलाज के लिए जमशेदपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। दिवंगत जवान पिंटू कुमार वर्ष 2016 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे। वे अपने पीछे पत्नी आरती कुमारी, माता प्रमिला देवी, पिता शिवजी साह, दो बेटियों और डेढ़ माह के मासूम बेटे को छोड़ गए हैं। परिजनों के विलाप से वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें भर आईं। अंतिम विदाई के मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा हजारों ग्रामीणों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभी ने दिवंगत जवान की देशसेवा को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

घर के दरवाजे पर बैठे युवक को मारी गोली, बाईं जांघ में लगी दो गोलियां

हाजीपुर। हाजीपुर में बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक को उसके घर के दरवाजे पर गोली मारकर घायल कर दिया। घटना सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुतुबपुर डुमरी गांव की है। घायल युवक की पहचान स्थानीय अमरनाथ पासवान के बेटे राहुल कुमार(26) के रूप में हुई है। उसे बाईं जांघ में दो गोलियां लगी हैं। परिवार और स्थानीय लोगों की मदद से राहुल को तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों द्वारा उसका प्राथमिक उपचार किया गया। घटना के संबंध में घायल राहुल कुमार ने बताया कि वह अपने दरवाजे पर लेटकर मोबाइल देख रहा था। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाश आए और उसे गोली मारकर फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए, लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। सदर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि गोली लगने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वहां से खोखा बरामद किया। उन्होंने पुष्टि की कि युवक अपने दरवाजे के पास बैठा था, तभी बाइक सवार बदमाश आए और गोली चलाकर फरार हो गए। नगर थाने की पुलिस को भी घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे सदर अस्पताल पहुंचे और घायल से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि बदमाशों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

हाजीपुर में वाहन की टक्कर से बुलेट सवार की मौत, घर लौटने के दौरान बालू मंडी के पास हादसा

हाजीपुर। हाजीपुर में बुधवार शाम एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बुलेट सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना नगर थाना क्षेत्र के अनजानपीर स्थित बालू मंडी के पास अनजानपीर-रामाशीष चौक मुख्य मार्ग पर हुई। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के बिशनपुर तीतर वार्ड नंबर 10 निवासी पुनु सिंह के बेटे पशुपति सिंह(66) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 112 और स्थानीय थाने की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। हथसरगंज ओपी प्रभारी आदर्श कुमार भी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पशुपति सिंह बुधवार देर शाम अनजानपीर चौक की तरफ से अपनी बुलेट पर सवार होकर घर लौट रहे थे। बालू मंडी के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना के कारण अनजानपीर-रामाशीष चौक मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए जाम लग गया। पुलिस ने मृतक के पास मिले कागजातों के आधार पर उनके परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और वे सदर अस्पताल पहुंचे। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पशुपति सिंह 2021 में रेलवे के बिजली विभाग से इलेक्ट्रिशियन के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके दो बेटे और तीन बेटियां हैं। हथसरगंज ओपी प्रभारी आदर्श कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से बुलेट सवार व्यक्ति की मौत हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

भुटकुन शुक्ला हत्याकांड में मुखिया के बेटे को उम्रकैद, पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला के भाई थे मृतक

मुजफ्फरपुर। वैशाली के चर्चित भुटकुन शुक्ला हत्याकांड में 29 साल बाद कोर्ट ने गुरुवार को अंतिम फैसला दिया है। दीपक सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। दीपक मृतक भुटकुन का काफी करीबी और बॉडीगार्ड भी हुआ करता था, जो मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र का रहने वाला है। दीपक की मां मुखिया है। मुजफ्फरपुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीशन (दशम) सर्वेश कुमार मिश्रा ने सजा सुनाई है। मृतक भुटकुन लालगंज के पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला का भाई है। जिसकी हत्या 16 जुलाई 1997 को वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के खंजाहाचक गांव में हुई थी। जहां भुटकुन का पैतृक आवास था। घर में ही उसका मर्डर हुआ था। दीपक सिंह का आपराधिक इतिहास काफी लंबा रहा है। 14 साल पुराने एक दूसरे हत्याकांड में भी वो आरोपी था। मुजफ्फरपुर के पारू (सरमस्तपुर) स्थित उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के तत्कालीन प्रबंधक लाल बहादुर सिंह की हत्या की थी। लाश को कैश केबिन में गमछे के फंदे से लटका दिया था। इस मामले में दीपक सिंह पर 50,000 हजार का इनाम घोषित था। कोर्ट से कुर्की जब्ती का आदेश भी जारी किया गया था। बिहार STF की टीम ने उसे उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गिरफ्तार कर मुजफ्फरपुर की पारू थाना पुलिस को सौंपा था। पुलिस के अनुसार, दीपक सिंह भुटकुन शुक्ला गिरोह का शार्प शूटर रह चुका है। उसका गिरोह मुजफ्फरपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण और सीतामढ़ी सहित कई जिलों में सक्रिय था। मृतक भुटकुन शुक्का के भाई और लालगंज पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला वर्तमान में जेल की सजा काट रहे हैं। 3 अक्टूबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस आदेश को पलट दिया था, जिसमें मुन्ना शुक्ला को 1998 के पूर्व मंत्री बृजबिहारी प्रसाद हत्याकांड में बरी कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट की ओर से उम्रकैद की सजा बहाल करने और 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण के निर्देश के बाद मुन्ना शुक्ला ने कोर्ट में सरेंडर किया था।

पटना में लोकपाल भवन की ज्वाइंट स्क्रेटरी के घर फायरिंग

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र स्थित बंपर टोला की जिटेन रेजिडेंसी में एक फ्लैट में फायरिंग का मामला सामने आया है। इस फ्लैट संख्या 301 में रीता सिंहा की फैमिली रहती है। उन्होंने दावा किया है कि उनके बेडरूम में गोली चली है, जिसके निशान कांच पर हैं। यह घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद गांधी मैदान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। इस फ्लैट में रहने वाली रीता सिन्हा ने बताया, 'बुधवार शाम के समय परिवार के सभी सदस्य घर से बाहर थे। गुरुवार सुबह जब वे घर पहुंचे तो कमरे में कांच बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर खिड़की के शीशे में छेद और क्षतिग्रस्त कांच दिखाई दिया। फिर इसकी सूचना हमने पुलिस को दी।' उनका कहना है कि यदि उस समय कोई कमरे में मौजूद होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पुलिस ने FSL टीम को बुलाया: घटना की सूचना मिलते ही गांधी मैदान थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के लिए पहुंचे इंस्पेक्टर राजीव कुमार ने बताया, 'सूचना मिली थी कि फ्लैट के शीशे में नुकीला छेद है। यह पता लगाने के लिए कि यह गोली का निशान है या किसी अन्य कारण से हुआ है, फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम को बुलाया गया है।' उन्होंने कहा, 'परिवार की ओर से लिखित आवेदन दिया जा रहा है। आवेदन मिलने के बाद उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

कई पहलुओं पर जांच: पुलिस आसपास के इलाके का निरीक्षण कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यदि फायरिंग हुई है तो गोली किस दिशा से चली और किसने चलाई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

- **फ्लैट नंबर-301 के बेडरूम के शीशे पर मिले निशान, गोली चलने की आशंका, एफएसएल जांच में जुटी**

रिहायशी इलाके में दहशत: जिस इलाके में यह घटना हुई है, वह घनी आबादी वाला रिहायशी क्षेत्र है, जहां मकान और अपार्टमेंट एक-दूसरे से सटे हुए हैं। ऐसे में संदिग्ध गोली चलने की सूचना से आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल है।

लोकपाल भवन ज्वाइंट स्क्रेटरी हैं रीता सिन्हा: रीता सिन्हा लोकपाल भवन की महिला आंतरिक समिति की ज्वाइंट स्क्रेटरी हैं। उनके पति अंजनी सिन्हा सेवानिवृत्त बैंककर्मी हैं। परिवार में उनकी दोनों बेटियां भी रहती हैं, जिनमें एक डॉक्टर और दूसरी इंजीनियर हैं। बेटी दामाद डॉक्टर-इंजीनियर हैं। फिलहाल, पुलिस और FSL की जांच रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि शीशे में बना छेद गोली लगने से हुआ है या किसी अन्य वजह से।

जनसुराज और बीजेपी कार्यकर्ता भिड़े, पीके ने किया बीच बचाव

एजेंसी, पटना

- **बांकीपुर उपचुनाव में 3 बजे तक 27.90% मतदान, 2025 से 10% कम; 1.17 लाख कैश जब्त**

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की बांकीपुर सीट पर वोटिंग हो रही है। मतदान के दौरान 1 लाख 17 हजार कैश मिले हैं। 2025 के मुकाबले इस बार वोटिंग कमजोर हुई है। दोपहर 3 बजे तक 27.90% वोटिंग हुई है। जो पिछले विधानसभा चुनाव से करीब 10 प्रतिशत कम है, 2025 में दोपहर 3 बजे तक 37.02 % वोटिंग हुई थी। आनंदपुरी इलाके में पीके के सामने जनसुराज और बीजेपी समर्थक भिड़ गए। प्रशांत किशोर ने दखल देकर मामले को शांत करवाया। वहीं प्रशांत किशोर ने दावा किया कि पुलिस उनके कार्यकर्ताओं और पोलिंग एजेंट को परेशान कर रही है। लोगों को पुलिस डरा रही है। जनसुराज के हेल्प डेस्क को हटाया जा रहा है। किदवईपुरी में बीजेपी-जनसुराज के समर्थकों में पुलिस के सामने धक्का-मुक्की हुई। जनसुराज कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भाजपा के पूर्व प्रत्याशी बंटी बूथ पर दबंगई कर रहे हैं। लोगों को वोट डालने से रोक रहे हैं।

PNT कॉलोनी में PK के समर्थकों ने हंगामा किया है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बूथ के अंदर कुछ लोग वोटर्स से भाजपा के पक्ष में वोट करने को कह रहे हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करे। इधर, बीजेपी ने जनसुराज पर फर्जी वोट डालने की कोशिश का आरोप लगाया है। इसे लेकर राज्य महासचिव नितिन अभिषेक ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में वोटरों के वेरिफिकेशन को सख्ती से लागू करने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर को पत्र लिखा है। बांकीपुर उपचुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा के नीरज सिन्हा, राजद की रेखा गुप्ता और जनसुराज के प्रशांत किशोर के बीच है।

बिहटा पावर ग्रिड से कॉपर वायर चोरी करते चोर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा में पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए पावर ग्रिड से तांबे का तार चोरी कर रहे एक युवक को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से तीन किलो से ज्यादा तांबे का तार बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिशंभरपुर गांव निवासी अभिषेक चौधरी के रूप में हुई है। बिहटा इलाके में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है। ऐसे में पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किसी संगठित गिरोह का सदस्य तो नहीं है।

पुलिस को देखकर भागने लगा: जानकारी के मुताबिक, देर रात बिहटा थाना पुलिस नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान पतसा गांव स्थित पावर ग्रिड परिसर के पास एक

युवक संदिग्ध स्थिति में दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखते ही वह भागने लगा, जिससे पुलिस को शक हुआ। वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन गश्ती दल ने पीछा कर उसे मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से तीन किलो से अधिक तांबे का तार बरामद हुआ, जो पावर ग्रिड से चोरी किया गया था। बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया, 'गश्ती के दौरान एक चोर को गिरफ्तार किया गया है, जो पावर ग्रिड में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा था। उसके कब्जे से चोरी का सामान भी बरामद किया गया है।

9 साल की छात्रा के अपहरण की कोशिश, चॉकलेट का लालच दिया, शोर मचाने पर भागा नकाबपोश

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र स्थित नारायण नगर कॉलोनी में नौ वर्षीय छात्रा के कथित अपहरण के प्रयास का मामला सामने आया है। घटना 18 जुलाई की दोपहर की बताई जा रही है। एक नकाबपोश युवक ने चॉकलेट का लालच देकर बच्ची को अपने साथ ले जाने की कोशिश की। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।

पीड़ित छात्रा डॉन बॉस्को स्कूल की छात्रा है। घटना के बाद पिता ने फुलवारी शरीफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन 10 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली है।

चॉकलेट का लालच देकर ले जाने का प्रयास: पिता के मुताबिक, 18 जुलाई की दोपहर उनकी बेटी घर के बाहर थी। इसी दौरान चेहरे पर मास्क लगाए एक युवक वहां पहुंचा और चॉकलेट देने का लालच देकर उसे अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगा। बच्ची को युवक की हरकत से घबराकर उसने जोर-जोर से शोर मचाना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर

निकलने लगे, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला।

परिवार में दहशत, बच्ची स्कूल जाने से डरी: पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के बाद से बच्ची मानसिक रूप से डरी हुई है और स्कूल जाने से भी घबरा रही है। परिवार ने बताया कि यदि बच्ची ने समय रहते हिम्मत नहीं दिखाई होती, तो कोई गंभीर घटना हो सकती थी। परिवार ने अपने आवेदन में कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर आरोपी की पहचान करने की मांग की है। उनका कहना है कि घटना के बाद पूरा परिवार भय के माहौल में जी रहा है।

10 दिन बाद भी आरोपी फरार

शिकायत के 10 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं- परिजन: पिता का आरोप है कि शिकायत दिए लगभग 10 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने मामले की गंभीरता से जांच करने, आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

पुलिस ने जांच शुरू की: फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया, 'आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाएगी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी ने संदिग्ध युवक को देखा हो या उसके बारे में कोई जानकारी हो, तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

घोसवारी स्कूल में अभिभावकों का हंगामा, प्रमाण पत्र और एडमिशन स्लिप नहीं मिलने से थे परेशान

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बख्तियारपुर प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय, घोसवारी में 30 जुलाई गुरुवार को अभिभावकों ने हंगामा किया। छात्रों को समय पर प्रमाण पत्र और एडमिशन स्लिप नहीं मिलने की शिकायत के बाद अभिभावक विद्यालय कार्यालय के बाहर जमा हो गए और जल्द समाधान की मांग की। अभिभावकों ने बताया कि कई छात्र परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं, लेकिन उन्हें अभी तक आवश्यक प्रमाण पत्र नहीं मिले हैं। कुछ अन्य अभिभावकों ने शिकायत की कि नामांकन के कई महीने बाद भी उनके बच्चों को एडमिशन स्लिप नहीं दी गई है।

अभिभावकों के अनुसार, अन्य शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए प्रमाण पत्र निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना अनिवार्य है। प्रमाण पत्र न मिलने से छात्रों का

भविष्य प्रभावित हो रहा है। विद्यालय के प्रभारी सरदार करण सिंह ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानाध्यापिका सुमित्रा कुमारी वर्तमान में सीसीएल अवकाश पर हैं। उनके निर्देश थे कि उनके हस्ताक्षर के बिना किसी भी छात्र को प्रमाण पत्र जारी न किया जाए, जिसके कारण वितरण प्रक्रिया रुकी हुई थी।

मामले की जानकारी मिलने पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) सचिन कुमार ने हस्तक्षेप किया। प्रभारी सरदार करण सिंह ने बताया कि बीईओ के निर्देश के बाद उन्हें अब अपने हस्ताक्षर से छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित करने की अनुमति मिल गई है। इससे बच्चों का शैक्षणिक कार्य प्रभावित नहीं होगा।

- **बीईओ के आदेश पर वितरण शुरू हुआ**

प्रधानाध्यापिका सुमित्रा कुमारी से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सचिन कुमार ने बताया कि यह मामला गुरुवार को उनके संज्ञान में आया। उन्होंने तत्काल प्रभारी को प्रमाण पत्र वितरित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रधानाध्यापिका के अवकाश के दौरान अभिभावकों और छात्रों को होने वाली असुविधा के स्थायी समाधान पर विचार किया जाएगा, ताकि विद्यालय का शैक्षणिक कार्य सुचारु रूप से चलता रहे। इस दौरान अभिभावक मनोज कुमार, रमाशंकर कुमार, अविनाश कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

एनएसयूआई ने 4 अगस्त को महाआंदोलन का किया ऐलान

एजेंसी, पटना

एनएसयूआई ने छात्रों पर पुलिस दमन, पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के मुद्दे पर बिहार सरकार और केंद्र सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने घोषणा की कि इन मुद्दों को लेकर 4 अगस्त को पटना में एनएसयूआई के नेतृत्व में विशाल छात्र महाआंदोलन आयोजित किया जाएगा। पटना के सदाकत आश्रम स्थित बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में विनोद जाखड़ और बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने छात्रों पर हुई कार्रवाई को लोकतंत्र और मानवाधिकारों के खिलाफ बताते हुए सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए।

'छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही सरकार': एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि देशभर

में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और छात्रों पर बढ़ते दमन को लेकर युवाओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार और बिहार की एनडीए सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्र शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक पर रोक, समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया, समय पर परीक्षा परिणाम और भर्ती कैलेंडर लागू करने जैसी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। इसके बावजूद उन पर वाटर कैनन, आंसू गैस, लाठीचार्ज और गोलीबारी जैसी कार्रवाई की गई, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पटना-बेतिया समेत 10 जिलों में तेज बारिश

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। गुरुवार को अररिया और पटना में तेज बारिश हुई। दोपहर होते-होते दरभंगा में भी झमाझम बारिश देखने को मिली। वहीं, बगहा, बेतिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, बांका, आरा और बक्सर में भी मूसलाधार बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, 5 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार, 30 जुलाई से 2 अगस्त तक कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

वहीं, 33 जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन इससे लोगों को गर्मी से ज्यादा राहत मिलने की संभावना नहीं है। लोग उमस भरी गर्मी अधिक महसूस करेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीवान, सारण और गोपालगंज में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इन जिलों में

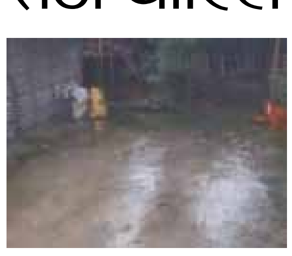

40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान खगड़िया में बारिश दर्ज की गई। पटना समेत कई जिलों में हल्की हवा चली, लेकिन दिनभर तेज धूप के कारण उमस बनी रही।

बिहार में अबतक 41% कम बारिश: बिहार में इस मानसून सीजन के दौरान अब तक सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, इस समय तक बिहार में 485.4 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन केवल 285.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। यानी अब तक सामान्य से 41 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

पटना में 2463.91 करोड़ की 6 मेगा प्रोजेक्ट्स होंगे शुरू

एजेंसी, पटना

पटना को आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय शहर के रूप में विकसित करने की योजना है। पटना नगर निगम 2463.91 करोड़ रुपये की 6 प्रमुख प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने जा रहा है। इन योजनाओं के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग से चयनित एजेंसी के साथ पटना नगर निगम MoU करेगी। इसके बाद सभी प्रोजेक्ट पर डीपीआर तैयार की जाएगी। इन सभी में सबसे खास आकर्षण शहर का वेंडिंग जोन होगा। सभी वेंडिंग जोन को विदेशों की तर्ज पर आधुनिक और आकर्षक बनाने की तैयारी है।

31 हाईटेक वेंडिंग जोन बनेंगे, मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं: इन परियोजनाओं में सबसे प्रमुख योजना शहर में आधुनिक वेंडिंग जोन विकसित करने की है। पहले इन्हें एक या दो मंजिला बनाने की योजना थी, लेकिन अब इन्हें चार, पांच और

छह मंजिला इमारतों के रूप में विकसित किया जाएगा। करीब 724.93 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 31 वेंडिंग जोन में लिफ्ट, सेंट्रलाइज्ड एसी और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

स्थानीय वेंडरों के साथ अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स को भी मिलेगी जगह: नए वेंडिंग जोन में स्थानीय दुकानदारों और फुटपाथ विक्रेताओं को रियायती दर पर व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के आउटलेट भी स्थापित किए जाएंगे। इससे लोगों को एक ही स्थान पर बेहतर खरीदारी की सुविधा मिलेगी, जबकि

- **खेतान मार्केट के सामने बनेगा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, 725 करोड़ से 31 बहुमंजिला वेंडिंग जोन होगा तैयार**

बड़े ब्रांड्स से मिलने वाले किराये के माध्यम से नगर निगम की आय में भी बढ़ोत्तरी होगी।

इन स्थानों पर प्रस्तावित हैं वेंडिंग जोन: शेखपुरा रैन बसेरा, अमला टोला, पंच मंदिर, इको पार्क (DPS के पास), चित्रगुप्त समाज मंदिर, साकेत नगर, बेऊर मोड़, पटना जंक्शन रोड स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के पीछे सहित कई अन्य स्थानों पर वेंडिंग जोन विकसित करने की योजना है।

न्यू मार्केट और खेतान मार्केट क्षेत्र में बनेंगे आधुनिक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स: शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों को नया स्वरूप देने के लिए कई आधुनिक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। पटना जंक्शन के समीप स्थित न्यू मार्केट को पुनर्विकसित करते हुए 590.05 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला कमर्शियल परिसर बनाया जाएगा। वहीं, खेतान मार्केट के सामने PPP मॉडल पर 736.41 करोड़ रुपये की लागत से नया कमर्शियल कॉम्प्लेक्स तैयार होगा। इसके अलावा वार्ड संख्या- 42 में 280.44 करोड़ रुपये की लागत से एक नया शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी बनाया जाएगा।

श्रीकृष्णापुरी में बनेगा अतिथि गृह सह नागरिक सुविधा केंद्र: नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए श्रीकृष्णापुरी में लगभग 19 हजार वर्गफुट क्षेत्र में 82.08 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक अतिथि गृह सह नागरिक सुविधा केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इसमें बैंक्वेट हॉल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप की बैठक में संस्थाओं ने साझा किए अनुभव, सीमा पार प्रदूषण और बाढ़ पर जताई चिंता

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप, पूर्वी चंपारण की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को मोतिहारी बेलबनवा स्थित आइडिया कार्यालय में कैरिटास इंडिया के सहयोग से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डंकन अस्पताल के समीर दिग्गल तथा इंटर एजेंसी ग्रुप, पूर्वी चंपारण के संयोजक अमर ने संयुक्त रूप से की। बैठक की शुरुआत कैरिटास इंडिया के प्रतिनिधि अमित कुमार द्वारा संग्रामपुर प्रखंड की मझरिया पंचायत में गत वर्ष से संचालित आपदा प्रबंधन एवं आजीविका संवर्धन कार्यक्रम की विस्तृत प्रस्तुति से हुई। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत स्थानीय किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा ग्रामीणों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण, सामुदायिक तैयारी और सुरक्षित आजीविका से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बैठक में विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर बाल रक्षा भारत से हामिद रजा, आइडिया के संस्थापक दिग्विजय कुमार, अभिषेक कुमार, एफीकोर संस्था से हीरालाल ,कैरिटास से अतीन्द्र कुमार, प्रयास संस्था से गौतम कुमार तथा भारतीय विकलांग मंच से अजहर हुसैन अंसारी सहित कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए इंटर एजेंसी ग्रुप के संयोजक अमर ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र की पर्यावरणीय चुनौतियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नेपाल के हथौड़ा और बीरगंज औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाला प्रदूषित अपशिष्ट सरिसा नदी के माध्यम से रक्सौल क्षेत्र में भारतीय सीमा में प्रवेश करता है, जिससे स्थानीय आबादी, पशुधन और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर संबंधित विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिहार के सीमांचल एवं पश्चिमी चंपारण क्षेत्रों में गंडक नदी की बाढ़ से उत्पन्न स्थिति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष बाढ़ और नदी कटाव के कारण बड़ी संख्या में लोगों के घर, कृषि भूमि और आजीविका प्रभावित हुई है। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों, दार्जिलिंग, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाएँ लगातार गंभीर मानवीय संकट का रूप ले रही हैं। इन घटनाओं में अनेक लोगों की जान गई है तथा करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित सड़कें, पुल और अन्य आधारभूत संरचनाएँ क्षतिग्रस्त हुई हैं। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने, पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित आजीविका तथा सामुदायिक तैयारी के लिए सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय समुदायों के बीच बेहतर समन्वय को और मजबूत किया जाएगा। अंत में डंकन अस्पताल के समीर दिग्गल ने सभी प्रतिभागी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डंकन अस्पताल भविष्य में भी स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, तकनीकी सहयोग एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से हर संभव सहयोग प्रदान करता रहेगा।

वित्त रहित शिक्षा नीति खत्म करने की मांग पर कांग्रेस सेवा दल का महाआंदोलन पहुंचा मोतिहारी

शहर के कचहरी चौक पर धरना, पदयात्रा के बाद मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन; नियमित वेतनमान, सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा की उठी मांग

बीएनएम@ मोतिहारी

वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त करने और सभी वित्त रहित शिक्षण संस्थानों के समायोजन की मांग को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के नेतृत्व में चल रहे राज्यव्यापी महाआंदोलन का 19वां चरण गुरुवार को मोतिहारी के कचहरी चौक पर आयोजित हुआ। धरना-प्रदर्शन के बाद शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा निकाली तथा जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। धरना को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य, रामलखन सिंह यादव कॉलेज, जहानाबाद, प्रो. (डॉ.) संजय यादव ने कहा कि चार दशकों से वित्त रहित विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा व्यवस्था को संभाले हुए हैं, लेकिन आज तक उन्हें नियमित वेतनमान, सेवा सुरक्षा, पेंशन, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल सकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जब तक वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त कर सभी संस्थानों का समायोजन नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदेश प्रभारी मोहम्मद अफरोज ने कहा कि कांग्रेस सेवा दल हमेशा संघर्षरत और वंचित

वर्गों के साथ खड़ा रहा है। वित्त रहित शिक्षकों की मांगें पूरी तरह न्यायोचित हैं और सरकार को शीघ्र निर्णय लेकर शिक्षकों को सम्मानजनक वेतन, सेवा सुरक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करानी चाहिए।वक्ताओं ने कहा कि वित्त रहित शिक्षकों ने वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देने का काम किया है। अब समय आ गया है कि सरकार उनके योगदान का सम्मान करते हुए वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल शिक्षकों का नहीं, बल्कि शिक्षा और सामाजिक न्याय की लड़ाई है।कार्यक्रम की अध्यक्षता शशिभूषण राय और अखिलेश दयाल ने की, जबकि मंच संचालन मदन प्रसाद कुशवाहा ने किया। इस मौके पर रोमा खान, संजय आचार्य, विजयकांत त्रिपाठी, प्रमोद कुमार यादव, कृष्णा मेनन, रमेश साहनी, अशोक दुबे, अजय कुमार झा, राहुल शर्मा, शंभू सिंह, अवधेश सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह, प्रेमनारायण शर्मा, सतींद्र राम, बिरेंद्र प्रसाद, अरविंद कुमार प्रताप, जयप्रकाश किरण कुशवाहा, इकबाल जफीर, रामप्रकाश तिवारी, मोख्तार प्रसाद गुप्ता, करुणानिधि दुबे, ओमप्रकाश कुमार, सतेंद्र राय, अशोक कुमार अत्रि, भोला प्रसाद सिंह, कामेश्वर गोसाई, अनिल कुमार, राजीव रंजन राय, डॉ. गुंजन नारायण, विजय कुमार, संजय शर्मा, विजय प्रताप, प्रियांशु कुमार, अखिलेश कुमार, राजेंद्र प्रसाद, अरुण प्रकाश, राम कुमार, श्याम नारायण, संजय कुमार मिश्रा, प्रिंस मिश्रा, धीरज कुमार राय, रवि रंजन, अवनीश कुमार, अरविंद कुमार मिश्र, राम कुमार सिंह, बृज नंदन सिंह, सत्यदेव कुमार, प्रो. शंभूनाथ शर्मा, सुनील कुमार श्रीवास्तव, अजय प्रताप यादव, अभिजीत सिंह, दीपेश पांडेय और अनिल कुमार गुप्ता समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, कांग्रेसजन और शिक्षा प्रेमी मौजूद रहे।

डीएम ने किया केंद्रीय कारा का निरीक्षण, 'सदाचार वाटिका' का उद्घाटन कर सुनीं बंदियों की समस्याएं

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने गुरुवार को केंद्रीय कारा, मोतिहारी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले कारा परिसर में विकसित 'सदाचार वाटिका' का उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बंदी दरबार का आयोजन हुआ, जिसमें बंदियों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। डीएम ने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। इसके बाद जिलाधिकारी ने कारा पुस्तकालय, पेंटिंग सेक्शन, रेडियो दोस्ती, कारा अस्पताल समेत विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने कारा परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान कारा परिसर की स्वच्छता, अनुशासन और व्यवस्थाओं पर उन्होंने संतोष जताते हुए कारा प्रशासन के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर कारा अधीक्षक विजय कुमार अरोड़ा, उपाधीक्षक-सह-अधीक्षक (उत्क्रमित) संजय कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नंदकिशोर कुमार, कारा के अन्य पदाधिकारी तथा जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

हरसिद्धिः सीडीपीओ काजल किरण ने संभाला पदभार, आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था सुधारने पर दिया जोर

बीएनएम@ हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में गुरुवार को काजल किरण ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) के रूप में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान सीडीपीओ जयमाला कुमारी ने उन्हें विधिवत प्रभार सौंपा। पदभार ग्रहण करने के बाद नई सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं कर्मियों के साथ बैठक कर केंद्रों के नियमित संचालन, बच्चों की शिक्षा, पोषण तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर सरकार की गाइडलाइन का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। सेविकाओं को नियमित रूप से केंद्रों का संचालन करने, बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने और अभिलेखों का सही संधारण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि

समय-समय पर केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। काजल किरण ने समय पर रिपोर्टिंग, योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन और लाभार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान मिलने वाली कमियों को तत्काल दूर कराया जाएगा। पदभार ग्रहण के अवसर पर डाटा ऑपरेटर सुमित कुमार, पर्यवेक्षिका हेमंती कुमारी, लक्की कुमारी, बबीता कुमारी, सेविका कल्पना कुमारी, प्रतिमा ठाकुर, किरण देवी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने नई सीडीपीओ का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

रामगढ़वा में स्थानांतरित प्रखंड सहकारिता पदाधिकारियों को दी गई भावभीनी विदाई

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड के प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी अशोक पन्ना एवं अशोक कुमार सिंह के स्थानांतरण के उपलक्ष्य में सकरार पंचायत पैक्स कार्यालय में गुरुवार को सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पैक्स प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने दोनों अधिकारियों को भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में पैक्स व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा किसानों से जुड़ी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से किसानों को सहकारी योजनाओं का बेहतर लाभ मिला और स्थानीय स्तर पर पैक्स की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी बनी। वक्ताओं ने दोनों अधिकारियों की कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा एवं किसानों के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में बलिराम यादव, अरुण सिंह, कौशलेस ठाकुर उर्फ झुन्नू ठाकुर सहित कई पैक्स प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। अंत में सभी ने दोनों अधिकारियों को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके स्वस्थ, सफल एवं यशस्वी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

वारंट पर 10 दिनों में गिरफ्तारी नहीं हुई तो थानाध्यक्षों पर होगी कार्रवाईः आयुक्त

नीलाम पत्रवाद मामलों की समीक्षा, सप्ताह में तीन दिन कोर्ट लगाने और हर माह 50 मामलों के निष्पादन का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में नीलाम पत्रवाद से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को सप्ताह में तीन दिन अनिवार्य रूप से सर्टिफिकेट कोर्ट लगाने तथा प्रतिमाह कम से कम 50 मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बताया कि जिले में कुल 68 नीलाम पत्र पदाधिकारी कार्यरत हैं, जिनमें जिला स्तर पर 19, अनुमंडल स्तर पर 12 और प्रखंड स्तर पर 37 पदाधिकारी शामिल हैं। इस पर आयुक्त ने पदाधिकारियों की संख्या बढ़ाने का निर्देश देते हुए तत्काल

प्रस्ताव भेजने को कहा। समीक्षा में बताया गया कि जिले में नीलाम पत्रवाद के कुल 64,354 मामले लंबित हैं। इनमें 44 मामले ऐसे हैं जिनमें 50 लाख रुपये से अधिक की राशि, जबकि 199 मामलों में 10 से 50 लाख रुपये तक की राशि शामिल है। जिले में नीलाम पत्रवाद के अंतर्गत कुल लगभग 790 करोड़ रुपये की वसूली लंबित है। आयुक्त ने निर्देश दिया कि अपर समाहर्ता एवं जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी प्रत्येक सप्ताह समीक्षा बैठक करें और नोटिस, तामिला, चेतावनी नोटिस, बॉडी वारंट तथा कुर्की आदेश की प्रगति की नियमित निगरानी करें। साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को भी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित समीक्षा कर कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी सामने आया कि 4,144 नीलाम देनदारों के विरुद्ध वारंट जारी किए जा चुके हैं। इस पर आयुक्त ने सभी संबंधित थाना प्रभारियों को अगले 10 दिनों के भीतर गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने का निर्देश देते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित थानाध्यक्षों की जवाबदेही तय कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में अगली समीक्षा बैठक में इसकी प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में आयुक्त के सचिव संदीप शेखर प्रियदर्शी, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, एडीएम विभागीय जांच मो. सिबगतुल्लाह, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

पान दुकान की आड़ में गांजा बेचने वाला गिरफ्तार, 32 पुड़िया गांजा व नकदी बरामद

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए पान दुकान की आड़ में गांजा बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 32 पुड़िया गांजा, 1,100 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में मठलोहियार चौक पर छापेमारी की गई। इस दौरान पान दुकान की आड़ में गांजा बेचने के आरोप में वशिष्ठ तिवारी, पिता रामश्रय तिवारी, निवासी मठ लोहियार, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 32 पुड़िया गांजा (कुल 40 ग्राम) तथा बिक्री से संबंधित 1,100 रुपये नकद बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

विश्व मानव तस्करी दिवस पर जागरूकता गोष्ठी, मानव तस्करी के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान

बीएनएम@ मोतिहारी

विश्व मानव तस्करी निरोध दिवस के अवसर पर श्रम संसाधन कार्यालय के सभा भवन में नेत्रिका फाउंडेशन एवं मानव सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता सह विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करने और इसके विरुद्ध सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव एवं सिविल जज नितिन त्रिपाठी ने कहा कि मानव तस्करी मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। इसमें महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्ग के लोगों को झूठे प्रलोभन, धोखाधड़ी या बलपूर्वक शोषण का शिकार बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी का

उपयोग जबरन श्रम, यौन शोषण, बाल विवाह, भिक्षावृत्ति और अन्य अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता है। इससे बचाव के लिए व्यापक जन-जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रोजगार, शिक्षा या विवाह के नाम पर मिलने वाले संदिग्ध प्रस्तावों से सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता फैलाना और पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाना समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने कहा कि विश्व मानव तस्करी निरोध दिवस हमें मानव तस्करी मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। नेत्रिका फाउंडेशन के निदेशक डॉ. कमलेश कुमार ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन नीरज कुमार ने किया। इस अवसर पर नवोदय विद्यालय के पूर्व प्राचार्य जगत नारायण प्रसाद, डॉ. मंजर नसीम, संगीता चित्रांश, सुजीत कुमार सिंह, डॉ. स्नेहा एस. चौरसिया, अरुण कुमार श्रीवास्तव, विनय कुमार, दिग्विजय कुमार, श्यामल प्रतीक, उमेश साह सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में रक्सौल के माहेर, डंकन, प्रथम, लायंस क्लब, सिटीजन फोरम तथा भारत विकास परिषद के प्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रही।

विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस पर एसएसबी-नेपाल एपीएफ की संयुक्त पहल

सीमा पर जागरूकता अभियान, मानव तस्करी रोकने को सहयोग और सूचना साझा करने का लिया संकल्प

बीएनएम@ मोतिहारी

विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी एवं नेपाल आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाया। लालाछपरा गांव में आयोजित कार्यक्रम का निर्देशन कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार तथा अध्यक्षता उप-कमांडेंट राकेश कुमार ने की। कार्यक्रम में दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों एवं जवानों ने ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी के दुष्परिणाम, उसके विभिन्न स्वरूपों तथा बचाव के उपायों की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि मानव तस्करी महिलाओं और बच्चों

के विरुद्ध गंभीर अपराध है, जिसकी रोकथाम के लिए जन-जागरूकता, सतर्कता और भारत-नेपाल सुरक्षा एजेंसियों के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर भारत और नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों ने मानव तस्करी, अवैध आवागमन एवं अन्य सीमा-पार अपराधों की रोकथाम के लिए आपसी सहयोग, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और संयुक्त कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प दोहराया। साथ ही लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल एसएसबी, नेपाल एपीएफ अथवा स्थानीय पुलिस को देने की अपील की गई। कार्यक्रम में उप-कमांडेंट राकेश कुमार, सहायक कमांडेंट आकाश, प्रमोद एवं शिवंगिनी रॉय, निरीक्षक गोरख यादव, हरपुर एवं आदापुर थाना की थानाध्यक्ष, प्रयास एनजीओ की जिला समन्वयक आरती कुमारी, नेपाल एपीएफ के डीएसपी दीपेन्द्र थापा, एसआई अरुण चौधरी, विद्यालय के प्राचार्य, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इसी क्रम में वाहिनी के गिरिघाट पोस्ट पर एसएसबी के निरीक्षक अरविन्द कुमार एवं नेपाल एपीएफ के निरीक्षक उमेश के. आले के नेतृत्व में संयुक्त बैठक आयोजित की गई। वहीं कटकेनवा चेक पोस्ट पर नेपाल एपीएफ के निरीक्षक प्रकाश पंत एवं एसएसबी के निरीक्षक शिव नारायण की उपस्थिति में समन्वय बैठक संपन्न हुई। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सीमा सुरक्षा के साथ-साथ जन-जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

गलत मेडिकल रिपोर्ट देने पर अदालत ने दिया कार्रवाई का आदेश

एसीजेएम प्रथम कीर्ति प्रसाद की अदालत ने जेल भेजे गए चार आरोपितों को जमानत दी

बीएनएम@ बगहा: बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र के लगुनाहा गांव में 12 जुलाई को हुई मारपीट के मामले में एसीजेएम प्रथम कीर्ति प्रसाद की अदालत ने कथित गलत मेडिकल रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए सूचक और कांड के विवेचनाधिकारी के विरुद्ध न्यायसंगत कार्रवाई का आदेश दिया है। अदालत ने मामले में जेल भेजे गए चार आरोपितों को भी जमानत दे दी। जानकारी के अनुसार, लगुनाहा गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। कांड संख्या 248/26 में पुलिस ने बीएनएस की धारा 109 जोड़कर दूसरे पक्ष के इश्वरी प्रसाद, सिकंदर सोनी, शत्रुघ्नन सोनी और सोनू कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जेल भेजे गए चारों आरोपितों की ओर से अधिवक्ता रविशंकर प्रसाद उर्फ रवि ने एसीजेएम प्रथम की अदालत में जमानत याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान अदालत ने चौतरवा थाना से घायलों का जख्म प्रतिवेदन तलब किया। पुलिस द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में गंभीर चोट का उल्लेख था। बचाव पक्ष ने रिपोर्ट की सत्यता पर सवाल उठाते हुए इसकी जांच की मांग की।अदालत के आदेश पर संबंधित चिकित्सकों को तलब किया गया। अन्नपूर्णा सीटी स्कैन केंद्र के चिकित्सक ने न्यायालय में बताया कि प्रस्तुत सीटी स्कैन रिपोर्ट उनके केंद्र से जारी नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि मूल रिपोर्ट में बारकोड मौजूद था और उसमें गंभीर चोट का उल्लेख नहीं था। चिकित्सक ने प्रस्तुत दस्तावेज में एआइ के माध्यम से छेड़छाड़ की आशंका भी जताई। इसके बाद बगहा अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी डॉ. एसपी अग्रवाल का बयान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें सीटी स्कैन रिपोर्ट कांड के विवेचनाधिकारी महेश कुमार ने उपलब्ध कराई थी, जिसके आधार पर उन्होंने जख्म प्रतिवेदन तैयार किया था।सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने कथित गलत मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हत्या के प्रयास की धारा जोड़ने के प्रयास को गंभीर माना और सूचक तथा विवेचनाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई का आदेश दिया। साथ ही चारों आरोपितों को जमानत प्रदान कर दी।

चलती ट्रेन से गिरा युवक मौके पर मौत

गया-पटना रेलखंड पर मिला शव

बीएनएम@ गयाजी। गया-पटना रेलखंड पर गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में चलती ट्रेन से गिरकर एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना चंदौती थाना क्षेत्र के बिथों गांव के पश्चिम रेलवे ट्रैक पर हुई। सूचना पर रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन को भी जानकारी दी गई। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस शव की शिनाख्त कराने और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव पड़ा देखा गया। इसके बाद इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि युवक किसी चलती ट्रेन से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरपीएफ थाना अध्यक्ष बनारसी यादव ने बताया कि यह घटना आरपीएफ जहानाबाद के अधिकार क्षेत्र में आती है। वहीं, चंदौती थाना अध्यक्ष ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर हुई घटनाएं रेलवे पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। उन्होंने कहा कि यदि शव रेलवे ट्रैक से बाहर किसी स्थान पर मिलता तो स्थानीय थाना कार्रवाई करता, लेकिन इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया रेलवे पुलिस द्वारा ही पूरी की जाएगी। रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों में गुमशुदगी के मामलों का मिलान किया जा रहा है।

हत्या के प्रयास मामले का फरार नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ समस्तीपुर। हत्या के प्रयास के एक मामले में मोहिउद्दीन नगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वर्षों से फरार चल रहे नामजद अभियुक्त को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान कमलेश कुमार राम (25 वर्ष) के रूप में हुई है। वह बुच्ची राम का पुत्र एवं मोहनपुर थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर गांव का निवासी है। कमलेश मोहिउद्दीन नगर थाना कांड संख्या 72/2025 में नामजद अभियुक्त था और घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अभियुक्त अपने क्षेत्र में मौजूद है। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

गया जंक्शन पर फिरोजाबाद धनबाद एक्सप्रेस के कोच में लगी आग

बड़ा हादसा टला, दमकल की त्वरित कार्रवाई से बची सैकड़ों यात्रियों की जान

बीएनएम@ गयाजी। जंक्शन पर गुरुवार को तड़के सुबह एक बड़ा रेल हादसा उस समय टल गया, जब फिरोजाबाद धनबाद एक्सप्रेस के एक कोच में अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही जिला अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दमकल कर्मियों की सतर्कता और तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा होने से बच गया तथा ट्रेन में मौजूद यात्रियों की जान सुरक्षित रही। गुरुवार को तड़के सुबह करीब 1:20 बजे अनुमंडल अग्निशमन कार्यालय, गया क्षेत्र को सूचना मिली कि गया रेलवे स्टेशन पर खड़ी फिरोजाबाद-धनबाद एक्सप्रेस के एक कोच में आग लग गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन कर्मियों ने बिना समय गंवाए आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कुछ ही देर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया।अधिकारियों के अनुसार, यदि आग पर तत्काल काबू नहीं पाया जाता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। रेलवे स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और कर्मचारियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, लेकिन दमकल टीम की त्वरित कार्रवाई से हालात जल्द सामान्य हो गए।

रक्सौल में 'बीकानेर स्वीट्स, बेकरी एंड स्नैक्स' का भव्य शुभारंभ

बीएनएम@ रक्सौल

शहर के कौड़िहार चौक स्थित सैनिक रोड पर गुरुवार को 'बीकानेर स्वीट्स, बेकरी एंड स्नैक्स' का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भव्य शुभारंभ हुआ। पंडित विजय मिश्र के संयोजन में आयोजित उद्घाटन समारोह में राजेन्द्र प्रसाद एवं नागेन्द्र प्रसाद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर तथा श्रीफल फोड़कर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक, व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रतिष्ठान के संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्सौल जैसे व्यापारिक नगर में उच्च गुणवत्ता वाली मिठाइयों, बेकरी उत्पादों एवं विविध स्नैक्स की उपलब्धता से उपभोक्ताओं को बेहतर विकल्प मिलेगा। उन्होंने प्रतिष्ठान की सफलता और निरंतर प्रगति की कामना की। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर चंदन कुमार एवं दिलीप कुमार ने बताया कि यहां शुद्ध मिठाइयों की विभिन्न वैरायटी, नमकीन, बेकरी उत्पाद, शीतल पेय तथा अन्य स्नैक्स उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। साथ ही विभिन्न आयोजनों के लिए ऑर्डर सप्लाई की भी सुविधा दी जाएगी। उद्घाटन के दौरान आगंतुकों ने प्रतिष्ठान का अवलोकन किया और विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया। आकर्षक सजावट के बीच आयोजित समारोह उत्सव जैसा माहौल लिए हुए था। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखा रक्सौल के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ, अजय कुमार, प्रशांत कुमार, सुरेश धानोठिया, सुनील कुमार, मंदीप कुमार, अमरेंद्र कुमार, बैजू जायसवाल, चंद्रकिशोर प्रसाद, चंदन कुमार, चंद्रभूषण कुमार, जितेंद्र कुमार, चंदन गुप्ता, मनोज गुप्ता, मुखिया शिवजी प्रसाद, संदीप कुमार, विकास कुमार, धीरज कुमार, अमन श्रीवास्तव सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शीशो और ककरघट्टी स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी

बीएनएम@ समस्तीपुर

पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल में यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आधुनिक रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शीशो एवं ककरघट्टी स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। रेल प्रशासन का कहना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी, प्लेटफॉर्मों के बीच आवागमन आसान होगा तथा रेल परिचालन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रेल प्रशासन के अनुसार 28 जुलाई 2026 को शीशो यार्ड की लाइन संख्या 1, 2, 3 एवं 4 पर फुट ओवर ब्रिज के गर्डर की लॉन्चिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके लिए सुबह 6:55 बजे से 10:50 बजे तक कुल 3 घंटे 55 मिनट का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया गया। यह कार्य ट्रेन संख्या 15502 के गुजरने के बाद शुरू किया गया। इस दौरान 63374 नरकटियागंज–दरभंगा मेमू पैसेंजर को रक्सौल जंक्शन–मुहम्मदपुर रेलखंड के बीच

लगभग 1 घंटा 40 मिनट नियंत्रित कर चलाया गया।अब इस परियोजना के दूसरे चरण के तहत 4 अगस्त 2026 को ककरघट्टी यार्ड की लाइन संख्या 1, 2, 3 एवं 4 पर फुट ओवर ब्रिज गर्डर की लॉन्चिंग की जाएगी। इसके लिए सुबह 11:20 बजे से दोपहर 3:15 बजे तक 3 घंटे 55 मिनट का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक ट्रेन संख्या 13212 के गुजरने के बाद प्रभावी होगा। ब्लॉक अवधि के दौरान कुछ ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगा।

शिव मंदिर के पास शराब तस्कर गिरफ्तार, 61 बोतल अंग्रेजी शराब व बाइक जब्त

बीएनएम@ अरेराज

पहाड़पुर थाना पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 61 बोतल अंग्रेजी शराब और एक बाइक जब्त की है। थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस को सूचना मिली थी कि बाइक के जरिए शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बरवा टोला स्थित शिव मंदिर के पास घेराबंदी कर वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान एक संदिग्ध होंडा शाइन मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बाइक से 8 PM फ्रूटी ब्रांड की 61 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 10.980 लीटर है। पुलिस ने शराब के साथ तस्करी में प्रयुक्त होंडा शाइन मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। गिरफ्तार तस्कर की पहचान दीपक कुमार, पिता प्रह्लाद यादव, निवासी दक्षिण तेलुआ, थाना नौतन, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध पुलिस का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

वीटीआर से सटे बिसहा में बाघ हमले में एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल

» बकरी चरा रहे वृद्ध पर बाघ का हमला

गंभीर हालत में बगहा अनुमंडल अस्पताल रेफर

बीएनएम@ बगहा

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से सटे बिसहा गांव के पास गुरुवार को बाघ के हमले में एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। वन विभाग ने घटना की पुष्टि करते हुए मौके पर निगरानी टीम तैनात कर दी है तथा पीड़ित को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बिसहा गांव निवासी 65 वर्षीय अकलु यादव हाथी मलखनता पुल के समीप खेत के पास बकरी चरा रहे थे। इसी दौरान जंगल की ओर से निकले एक बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में अकलु यादव गंभीर रूप से घायल हो गए और शोर मचाने लगे। घायल की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों की भीड़ और शोर-शराबा बढ़ता देख बाघ वापस वीटीआर के जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद ग्रामीणों ने घायल वृद्ध को तत्काल स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल, बगहा रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर सत्यम कुमार और फॉरेस्टर आशीष कुमार वनकर्मियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अस्पताल पहुंचकर घायल का हालचाल लिया। रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि वन विभाग की टीम घटनास्थल पर तैनात है और बाघ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस पर पनटोका गांव में निकली जागरूकता रैली, सीमावर्ती क्षेत्रों में मानव तस्करी रोकने का दिया संदेश

बीएनएम@ रक्सौल

विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मानव तस्करी रोधी इकाई (AHTU), नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (APF), हरैया थाना, रक्सौल थाना तथा भारत और नेपाल की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में पनटोका गांव में मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को मानव तस्करी के प्रति जागरूक करते हुए इससे बचाव एवं रोकथाम की जानकारी दी गई। रैली में सैकड़ों स्कूली छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने "जो मानव व्यापार कराएगा, जेल की हवा खाएगा", "बच्चों की मुस्कान, देश की शान" और "मानव व्यापार मुक्त भारत हमारा संकल्प" जैसे नारों के साथ पूरे गांव में जागरूकता का संदेश फैलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 47वीं वाहिनी एसएसबी के सहायक कमांडेंट दिनकर कुमार त्रिपाठी ने कहा कि मानव तस्करी एक गंभीर सामाजिक अपराध है, जिसकी रोकथाम केवल सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या मानव तस्करी से जुड़ी सूचना तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को दें। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चंपारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने मानव तस्करी के कारणों, उससे बचाव के उपायों और बाल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी बच्चे के शोषण, तस्करी या संकट की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा 112 तथा प्रयास हेल्पलाइन 9289692023 पर सूचना देकर तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर 47वीं वाहिनी एसएसबी के इंस्पेक्टर कोमल सिंह, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम के सहायक उपनिरीक्षक खेमराज, अरविंद द्विवेदी, शालिनी जोशी, कामनी, हरैया थाना की उपनिरीक्षक बिट्टू कुमारी एवं उनकी टीम, रक्सौल थाना के पुलिसकर्मी, एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन के शिवपूजन कुमार, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के राज गुप्ता, अभिषेक कुमार, उमेश कुमार श्रीवास्तव, किरण वर्मा, आशीष कुमार, स्वच्छ संस्था के रंजीत सिंह एवं साबरा खातून सहित अन्य अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं और ग्रामीण मौजूद रहे।

सदर अस्पताल में ऑनलाइन व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित

बीएनएम@ समस्तीपुर

सदर अस्पताल, में गुरुवार को प्रसूति सेवा सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रतिवेदन डैशबोर्ड पर ऑनलाइन व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रसूति सेवाओं को तकनीक आधारित एवं अधिक प्रभावी बनाना, स्वास्थ्यकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाना तथा मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना था। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी का व्यवहारिक उपयोग करते हुए प्रतिवेदन डैशबोर्ड पर नियमित, सही एवं समय पर आंकड़े दर्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी और मूल्यांकन सुनिश्चित होगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्रतिवेदन डैशबोर्ड के संचालन, आंकड़ों की प्रविष्टि, प्रतिवेदन तैयार करने, ऑनलाइन निगरानी तथा विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से डैशबोर्ड के प्रत्येक भाग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, जिससे प्रतिभागियों को प्रणाली के प्रभावी उपयोग की जानकारी मिली।

बॉर्डर न्यूज मिरर इम्पैक्टः खबर के बाद हरकत में स्वास्थ्य विभाग, कोदरिया हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के तीन कर्मियों से 24 घंटे में मांगा जवाब

बीएनएम@ पताही

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

29 Jul 2026 - Page 4

बंद मिला कोदरिया हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

बॉर्डर न्यूज मिरर में प्रकाशित खबर का बड़ा असर देखने को मिला है। कोदरिया हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के निर्धारित समय पर बंद रहने की खबर प्रकाशित होने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), पताही प्रशासन सक्रिय हो गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने मामले को गंभीर मानते हुए तीन स्वास्थ्यकर्मियों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कोदरिया सुबह 9:38 बजे तक बंद पाया गया, जबकि ओपीडी का निर्धारित समय सुबह 8:00 बजे से है। अस्पताल बंद रहने के कारण इलाज के लिए पहुंचे मरीजों और ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ी थी। इस मामले को बॉर्डर न्यूज मिरर ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। समाचार प्रकाशित होने के अगले दिन 29 जुलाई 2026 को जारी आदेश में जीएनएम अंकित कुमार शर्मा, एएनएम पुष्पांजलि कुमारी और एएनएम संगीता कुमारी को 24 घंटे के भीतर स्वयं उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। जारी पत्र में कहा गया है कि संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों के मनमाने ढंग से ड्यूटी पर आने-जाने की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे आम लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की छवि भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग की इस त्वरित कार्रवाई का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि अब स्वास्थ्य केंद्रों में समय पर चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी और ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। बॉर्डर न्यूज मिरर द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार प्रमुखता से उठाया जाता रहा है। इस कार्रवाई को समाचार के बाद प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

247 रनों का लक्ष्य हासिल कर अरेराज क्रिकेट एकेडमी ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, मोतिहारी इलेवन को 2 विकेट से हराया

बीएनएम@ अरेराज

मोतिहारी के खेल मैदान पर खेले गए एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अरेराज क्रिकेट एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 247 रनों के कठिन लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा कर यंग इलेवन (मोतिहारी इलेवन) को 2 विकेट से हरा दिया। मैच का फैसला 34वें ओवर की अंतिम गेंद पर हुआ, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मोतिहारी इलेवन ने 35 ओवर में 9 विकेट पर 246 रन बनाए। अरेराज की ओर से कलश रमेश नमन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 7 ओवर में 45 रन देकर 4 विकेट झटके। राजा कोहली ने 6 ओवर में 56 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि अभिषेक ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 5 ओवर में 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। 247 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरेराज क्रिकेट एकेडमी ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाया। टीम ने 34वें ओवर की अंतिम गेंद पर 8 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। बल्लेबाजी में अमित अरुण कुमार ने 32 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 56 रन की विस्फोटक पारी खेली। शुभम कुमार ने 60 गेंदों पर 9 चौकों के साथ 53 रन बनाए। वहीं प्रत्यक्ष मिश्रा ने 42 गेंदों में 10 चौकों की बदौलत 51 रन की शानदार पारी खेली और उन्हें उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। मोतिहारी इलेवन की कप्तानी मनदीप कुमार यादव और अरेराज क्रिकेट एकेडमी की कप्तानी प्रियांशु सिंह ने की। मैच के बाद अरेराज क्रिकेट एकेडमी के कप्तान सार्थक कुमार ने टीम के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत खिलाड़ियों के निरंतर अभ्यास, बेहतर तालमेल और अनुशासित प्रदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कलश रमेश नमन की धारदार गेंदबाजी तथा अमित, शुभम और प्रत्यक्ष की शानदार बल्लेबाजी की विशेष सराहना की। टीम की इस उपलब्धि पर अरेराज के खेल प्रेमियों, खेल संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सावन माह प्रारंभ हुआ, जानें महत्व और पूजन विधि

हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र महीना सावन, जिसे भगवान शिव का प्रिय माह माना जाता है, गुरुवार से प्रारंभ हुआ है। इस पूरे महीने में शिव भक्त श्रद्धा और भक्ति के साथ भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसी मान्यता है कि सावन मास में भगवान शिव की आराधना करने, जलाभिषेक करने और व्रत रखने से जीवन में सुख-शांति आती है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यह पावन महीना 28 अगस्त को पूर्णिमा तिथि के दिन समाप्त होगा, जो कुल 31 दिनों का रहेगा। पंचांग के अनुसार, श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 8 बजकर 5 मिनट से शुरू होकर 30 जुलाई की रात 9 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि सूर्योदय के समय प्रतिपदा तिथि 30 जुलाई को ही रहेगी, इसलिए उदया तिथि के अनुसार सावन का आरंभ इसी दिन से माना जाएगा। सावन मास में सोमवार का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह दिन भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। यही कारण है कि सावन में पड़ने वाले सोमवार के व्रत और पूजा का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। वर्ष 2026 के सावन महीने में कुल चार सोमवार व्रत आएंगे। पहला सावन सोमवार 3 अगस्त को, दूसरा 10 अगस्त को, तीसरा 17 अगस्त को और चौथा व अंतिम सोमवार व्रत 24 अगस्त को रखा जाएगा। सावन के महीने में शिव भक्त प्रातःकाल उठकर स्नान करते हैं और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करते हैं। शिवलिंग पर जल, गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और भस्म अर्पित करने की परंपरा है। कई भक्त इस दौरान रुद्राभिषेक भी करवाते हैं, ऐसी मान्यता है कि सावन में भगवान शिव का अभिषेक करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन के कष्ट दूर होते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन का महीना भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन से भी जुड़ा है। कहा जाता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें स्वीकार किया था। यही कारण है कि सावन में शिव और माता पार्वती दोनों की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। शिव पुराण में भी सावन महीने की महिमा का विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें बताया गया है कि इस पवित्र माह में भगवान शिव का ध्यान, मंत्र जाप, दान और पूजा करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भक्तों का अटल विश्वास है कि सावन में सच्चे मन से की गई आराधना से भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों पर असीम कृपा बरसाते हैं और उन्हें कष्टों से मुक्ति दिलाते हैं।

कांवर पथ से विकास पथ तक

कुमार कृष्णन

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ यात्राएँ केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधन नहीं होतीं, बल्कि वे मनुष्य के भीतर चलने वाली आध्यात्मिक यात्रा का प्रतीक बन जाती हैं। श्रावण मास में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवर यात्रा ऐसी ही एक अनूठी परंपरा है, जिसमें करोड़ों कदम केवल दूरी नहीं नापते, बल्कि श्रद्धा, अनुशासन, समानता और लोकविश्वास की एक अखंड धारा को आगे बढ़ाते हैं। उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ के चरणों में अर्पित करने की यह परंपरा सदियों से भारतीय संस्कृति के उस जीवन-दर्शन को अभिव्यक्त करती है, जिसमें आस्था केवल मंदिरों की परिधि तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज, संस्कृति और लोकजीवन का आधार बन जाती है। इसी सांस्कृतिक विरासत के बीच श्रावणी मेला-2026 का शुभारंभ केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि बिहार कीविकास-दृष्टि के एक नए अध्याय काउद्घोष भी है। सुल्तानगंज के नमामि गंगे घाट से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा की गई जहाँ गंगा की धारा और 'बोल बम' का उद्घोष लिख रहे विकास की कहानी

श्रावणी मेला, सुल्तानगंज और अंग प्रदेश के बदलते भविष्य की तस्वीर विकास संबंधी घोषणाएँ यह संकेत देती हैं कि राज्य सरकार अब धार्मिक आस्था को पर्यटन, आधुनिक आधारभूत संरचना, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ जोड़कर देखने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि इन घोषणाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से मूर्त रूप दिया जाता है, तो यह केवल श्रावणी मेले की व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे अंग प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखेगा। श्रावणी मेला भारत के उन विरल आयोजनों में है, जहाँ करोड़ों लोग बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के केवल आस्था के बल पर एकत्र होते हैं। सुल्तानगंज का महत्व इसलिए भी अद्वितीय है कि यहाँ गंगा उत्तरवाहिनी होकर बहती है। भारतीय धार्मिक परंपरा में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना गया है। इसी पावन धारा से श्रद्धालु जल भरकर लगभग 105 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा करते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग तक पहुँचते हैं। इस यात्रा में न कोई जातिगत भेद दिखाई देता है, न आर्थिक असमानता का प्रदर्शन। एक ही रंग के वस्त्र, एक ही उद्घोष—बोल बम—और एक ही संकल्प के साथ आगे बढ़ते लाखों कांवरिये भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक एकात्मता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, जिसकी कल्पना आधुनिक लोकतांत्रिक विमर्श भी करता है। यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन और लोकभागीदारी का भी अद्भुत उदाहरण है। मार्ग के दोनों ओर स्थानीय ग्रामीण, स्वयंसेवी संस्थाएँ, धार्मिक संगठन और प्रशासन मिलकर जिस सेवा-भाव से कांवरियों की सहायता करते हैं, वह भारतीय समाज की सह-अस्तित्व की भावना को साकार करता है। चिकित्सा शिविरों से लेकर निःशुल्क भोजन, विश्राम स्थलों से लेकर पेयजल की व्यवस्था तक—सब कुछ इस विश्वास पर आधारित होता है कि यात्री में ही शिव का स्वरूप है। यही भारतीय संस्कृति का वह मानवीय पक्ष है, जिसने इस यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहने दिया, बल्कि लोकसेवा के विराट उत्सव में बदल दिया। इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि श्रावणी मेला केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है, एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। लंबे समय तक धार्मिक आयोजनों को केवल परंपरा के रूप में देखा जाता रहा, जबकि आज विश्वभर में धार्मिक पर्यटन सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में शामिल है। भारत में अयोध्या, काशी, उज्जैन, महाकाल लोक और केदारनाथ के विकास ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि आस्था के केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं, बेहतर संपर्क और सुव्यवस्थित प्रबंधन से जोड़ा जाए, तो वे स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के शक्तिशाली माध्यम बन सकते हैं।

बिहार के संदर्भ में यह संभावना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह वही भूमि है जहाँ बौद्ध, जैन, हिंदू और सूफी परंपराओं के अनेक तीर्थ स्थित हैं। नालंदा, राजगीर, बोधगया, पावापुरी, वैशाली, विक्रमशिला और सुल्तानगंज जैसे स्थल विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएँ रखते हैं। ऐसे में यदि सुल्तानगंज और देवघर को आधुनिक आधारभूत संरचना से जोड़ा जाता है, तो यह केवल एक तीर्थयात्रा का विकास नहीं होगा, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था के विस्तार का भी आधार बनेगा। इसी सोच के अनुरूप सुल्तानगंज में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट, अजगैबीनाथ से अगुवानी घाट तक रोप-वे, भागलपुर से मुंगेर तक प्रस्तावित गंगा पथ (मरीन ड्राइव), डॉल्फिन पर्यटन, गंगा पार्क और नए पर्यटन केंद्रों जैसी योजनाएँ केवल निर्माण परियोजनाएँ नहीं हैं। वे इस पूरे क्षेत्र को राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दूरदर्शी पहल के रूप में देखी जानी चाहिए। विशेष रूप से गंगा, डॉल्फिन और धार्मिक धरोहरों को एकीकृत पर्यटन मॉडल के रूप में विकसित करने की अवधारणा इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान को और सशक्त बना सकती है।

विकास की किसी भी परिकल्पना का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उसके दूरगामी प्रभावों से किया जाता है। श्रावणी मेला-2026 के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा जिन परियोजनाओं की घोषणा की गई, वे यदि निर्धारित समय-सीमा में पूरी होती हैं, तो उनका प्रभाव केवल सुल्तानगंज या देवघर तक सीमित नहीं रहेगा। वे भागलपुर, मुंगेर, बांका और पूरे अंग प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं। इन घोषणाओं में सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करने वाली योजना सुल्तानगंज में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे की है। वर्तमान समय में धार्मिक पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि बेहतर परिवहन, सुरक्षित यात्रा, गुणवत्तापूर्ण आवास और आधुनिक सुविधाओं की भी अपेक्षा रखते हैं। यदि सुल्तानगंज हवाई मार्ग से जुड़ता है, तो बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा अधिक सुलभ होगी। इसका लाभ स्थानीय होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प, कृषि उत्पादों और छोटे व्यापारियों तक पहुँचेगा। धार्मिक पर्यटन तब केवल श्रद्धा का विषय नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था का एक सशक्त इंजन बन सकता है। अजगैबीनाथ से अगुवानी घाट तक प्रस्तावित रोप-वे भी केवल सुविधा का माध्यम नहीं है। यह गंगा के दोनों तटों को एक नए पर्यटन अनुभव से जोड़ने का प्रयास है। विश्व के अनेक देशों में रोप-वे केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि पर्यटन का आकर्षण होते हैं। यदि इसका निर्माण पर्यावरणीय संतुलन और तकनीकी गुणवत्ता के साथ किया जाता है, तो यह सुल्तानगंज की पहचान को नई ऊँचाई दे सकता है।

इसी प्रकार भागलपुर से मुंगेर तक लगभग 83 किलोमीटर लंबे गंगा पथ (मरीन ड्राइव) की परिकल्पना केवल एक सड़क निर्माण परियोजना नहीं है। गंगा के किनारे विकसित होने वाला यह मार्ग पर्यटन, शहरी विकास और निवेश की नई संभावनाओं का द्वार खोल सकता है। यदि इसके साथ नदी तट का सौंदर्यीकरण, हरित पट्टी, साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक उद्यान और सांस्कृतिक केंद्र विकसित किए जाते हैं, तो यह क्षेत्र पूर्वी भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थान बना सकता है। लंबे समय से प्रतीक्षित अगुवानी-सुल्तानगंज गंगा पुल भी इस पूरे क्षेत्र के विकास का केंद्रीय बिंदु है। वर्षों से इस परियोजना में आई बाधाओं ने जनता की अपेक्षाओं को निराश किया है। इसलिए मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2027 के अंत तक इसे पूरा करने की घोषणा आशा अवश्य जगाती है, किंतु अब जनता आश्वासनों से अधिक धरातल पर परिणाम देखना चाहती है। यह पुल केवल दो किनारों को नहीं जोड़ेगा, बल्कि उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को भी नई गति देगा। इसी क्रम में सुल्तानगंज से देवघर तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क और नई रेललाइन भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आज भी श्रावणी मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को भारी भीड़, जाम और सीमित परिवहन सुविधाओं का सामना करना पड़ता है। आधुनिक सड़क और रेल संपर्क न केवल यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाएंगे, बल्कि पूरे वर्ष पर्यटन को भी प्रोत्साहित करेंगे। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा नाथनगर में विक्रमशिला टाउनशिप तथा बरियारपुर-मुंगेर क्षेत्र में अंग टाउनशिप विकसित करने की घोषणा भी दूरगामी महत्व रखती है। विक्रमशिला केवल एक ऐतिहासिक विश्वविद्यालय का नाम नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान-परंपरा का गौरवशाली प्रतीक है। यदि आधुनिक नगर नियोजन में इस सांस्कृतिक विरासत को भी स्थान दिया जाए, तो यह क्षेत्र शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। इसी प्रकार अंग टाउनशिप की अवधारणा क्षेत्रीय विकास को संतुलित बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध हो सकती है।

गोराडीह और असरगंज में औद्योगिक कॉरिडोर स्थापित करने की योजना भी विशेष महत्व रखती है। अंग क्षेत्र लंबे समय से औद्योगिक निवेश की दृष्टि से अपेक्षाकृत उपेक्षित रहा है। यदि उद्योग, परिवहन और पर्यटन एक-दूसरे के पूरक बनते हैं, तो कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग और लघु उद्यमों को नई ऊर्जा मिल सकती है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं का पलायन भी कम होगा। श्रावणी मेले के अवसर पर श्रावणी मेला ऐप का शुभारंभ डिजिटल प्रशासन की दिशा में स्वागतयोग्य पहल है।

धरती तप रही है : बढ़ती गर्मी और मानव जीवन पर मंडराता खतरा

सुनील कुमार महला

आज धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। वास्तव में, कहना ग़लत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आज पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, तेज़ी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और कार्बन उत्सर्जन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया में हीटवेव, सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा, समुद्र-स्तर में वृद्धि और जंगलों में भीषण आग जैसी घटनाओं के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों तथा गरीब और विकासशील देशों की आबादी पर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (इपीआइसी) के अंतर्गत कार्यरत क्लाइमेट इंपेक्ट लैब ने मार्च 2026 में अडैप्टेशन रोडमैपः ह्यूमन हेल्थ-बढ़ते तापमान का मौत पर असर मापना ताकि अडैप्टेशन प्लानिंग को टारगेट किया जा सके शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण होने वाली ताप-जनित (हीट-रिलेटेड) मौतों तथा उनसे बचाव के उपायों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि वैश्विक तापमान वर्तमान गति से बढ़ता रहा, तो अत्यधिक गर्मी के कारण हर वर्ष लगभग 4.3 लाख (430,000) अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हो सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब देशों पर पड़ेगा, क्योंकि वहाँ जलवायु अनुकूलन (एडैप्टेशन) के लिए आवश्यक संसाधन सीमित हैं। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि मृत्यु दर केवल तापमान बढ़ने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोगों को विश्वसनीय बिजली, एयर कंडीशनर, शीतल आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ और प्रभावी हीट-एक्शन प्लान जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका को सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है, क्योंकि वहाँ अत्यधिक गर्मी के साथ गरीबी और ऊर्जा की कमी

भी मौजूद है। बढ़ते तापमान का एक और गंभीर परिणाम जंगलों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाएँ हैं। इससे न केवल जैव-विविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचता है, बल्कि मानव बस्तियाँ भी खतरे में आ जाती हैं। यूरोप, जिसे कभी अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब वहाँ भी वनाग्नि की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल हाल के वर्षों में भीषण आग से प्रभावित हुए, जिसके कारण लगभग ढाई लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। भारत में भी हर वर्ष जंगलों की आग से वन संपदा, वन्यजीवों और पर्यावरण को व्यापक क्षति होती है। रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यदि अभी से स्वच्छ ऊर्जा, विश्वसनीय बिजली, किफायती शीतलन (कूलिंग) सुविधाओं, प्रभावी हीट-एक्शन प्लान, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में निवेश किया जाए, तो वर्ष 2050 तक होने वाली लाखों संभावित मौतों को रोका जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। इसलिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा को बढ़ावा, वनों का संरक्षण और प्रभावी जलवायु अनुकूलन उपाय अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व स्तर पर अनेक योजनाएँ और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। विडंबना यह है कि जिन देशों का कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। दूसरी ओर, विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसमें विकसित देशों का योगदान सबसे अधिक है, फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में उनकी अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं देती।

अंततः निष्कर्ष के तौर पर यहां पर यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान को कम करना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सौर, पवन और जल जैसी हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा उद्योगों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना होगा। यदि आज ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को और भी गंभीर जलवायु संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलित विकास का मार्ग अपनाकर ही पृथ्वी को सुरक्षित, स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सकता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी। आज प्रबंधन और मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज बड़ा इनाम या सराहना मिल सकती है ,आज व्यापारियों के लिए मुनाफे का योग बन रहा है। आज घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ी जरूरतें पूरी करने के लिए आज आप कुछ खास प्रयास करेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियांआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। विद्यार्थी आज कुछ विशेष ऐक्टीविटीज करेंगे आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिए प्रोत्साहनमिल सकता है पदोन्नति के असार है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। आज निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा ,उनके अनुभव और सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। आज संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से आज मजबूत होंगे। आज पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार-विमर्श भी होगा। आज मोबाईल स्क्रीन टाइम काम करें अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं। आज समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से स्थिति बेहतर होगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का परिणाम आज आपको मिल सकता है। आज आपको बिजनेस में बड़े बेटे का सहयोग मिलेगा। आज महिलाओं को मायके पक्ष से खुशखबरी मिलने वाली है।

तुला राशि : आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा जिससे कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है। किसी काम की शुरुआत नये सिरे से कर सकते हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। बॉस आज आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आज आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा,आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं आपको उस काम के लिए सर्टिफिकेट भी मिल सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमे निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है। जो छात्र उच्च शिक्षा के लिए किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने के लिए परीक्षाएं दे रहे हैं।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर मिलेगा। आज विदेश से नौकरी के लिए आपको बढ़िया पैकेज वाला ऑफर मिल सकता है। जो छात्र विज्ञान में रुचि रखते हैं।

मीन राशि :आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा। आज आर्थिक स्तर पर आप मजबूत बने रहेंगे। आपकी व्यवसायिक परियोजना पूरी हो सकती है। आज आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे।

भारतीय संस्कृति की आत्मा है संयम

कांतिलाल मांडोत

भौतिक प्रगति के युग में क्यों जरूरी है त्याग अनुशासन और संस्कारों की पुनर्स्थापना

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक उपलब्धियों का युग है। दुनिया अभूतपूर्व गति से विकास कर रही है। ऊंची-ऊंची इमारतें, आधुनिक परिवहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और उपभोक्तावाद ने मानव जीवन को पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक बना दिया है। लेकिन इन उपलब्धियों के बीच एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा होता है कि क्या केवल भौतिक समृद्धि ही किसी राष्ट्र की वास्तविक पहचान है? भारत का उत्तर सदैव नहीं रहा है। भारतीय चिंतन ने हमेशा माना है कि सभ्यता और संस्कृति अलग-अलग अवधारणाएं हैं। सभ्यता बाहरी विकास का प्रतीक है, जबकि संस्कृति मनुष्य के भीतर के संस्कार, विचार, आचरण, त्याग, सहिष्णुता और संयम की अभिव्यक्ति है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका संयम-प्रधान स्वरूप है। यही कारण है कि अनेक उतार-चढ़ाव, विदेशी आक्रमणों और सामाजिक परिवर्तनों के बावजूद यह संस्कृति आज भी जीवित है। इतिहास साक्षी है कि मिस्र, यूनान और रोम जैसी महान सभ्यताएं समय के साथ विलुप्त हो गईं, लेकिन भारतीय संस्कृति आज भी करोड़ों लोगों के जीवन का आधार बनी हुई है। इसका कारण केवल धार्मिक परंपराएं नहीं, बल्कि मानवता, करुणा, आत्मसंयम और परिवार-केन्द्रित जीवन मूल्यों का संरक्षण है। भारतीय संस्कृति ने कभी केवल अधिकारों की बात नहीं की, बल्कि कर्तव्यों को अधिक महत्व दिया। माता-पिता का सम्मान, गुरु के प्रति श्रद्धा, अतिथि का सत्कार, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और समाज के लिए त्याग की भावना हमारे जीवन का अभिन्न अंग रही है। यही मूल्य भारत को अन्य देशों से अलग पहचान देते हैं। आज जब दुनिया मानसिक तनाव, अकेलेपन और पारिवारिक विघटन जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब भारतीय जीवन दर्शन की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। दुर्भाग्य से आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने पश्चिमी जीवनशैली का अनुकरण तो किया, लेकिन उसके दुष्परिणामों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। महानगरों में संयुक्त परिवारों का टूटना, वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक संबंधों में बढ़ती दूरी और तलाक की बढ़ती घटनाएं सामाजिक परिवर्तन के संकेत हैं। आधुनिक जीवन में व्यक्तिगत

स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु यदि उसके कारण परिवार, संबंध और सामाजिक उत्तरदायित्व कमजोर पड़ जाएं तो यह चिंता का विषय बन जाता है। भारतीय संस्कृति परिवार को केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली पाठशाला मानती है। संयम का अर्थ केवल इच्छाओं का दमन नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है जीवन में संतुलन स्थापित करना। भोजन में संयम, वाणी में संयम, व्यवहार में संयम, क्रोध पर नियंत्रण, धन के उपयोग में संयम और भोग-विलास की सीमाएं समझना ही सच्चा संयम है। ऐसा व्यक्ति न केवल स्वयं सुखी रहता है बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनता है। भारतीय ऋषियों ने संयम को आत्मविकास का सबसे प्रभावी साधन बताया है। हमारे इतिहास और धर्मग्रंथ संयम की असंख्य प्रेरक कथाओं से भरे पड़े हैं। भीष्म पितामह का आजीवन ब्रह्मचर्य, भगवान महावीर का तप, गौतम बुद्ध का त्याग, आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद और स्वामी दयानंद सरस्वती का अनुशासित जीवन यह सिद्ध करता है कि महानता का मार्ग भोग से नहीं बल्कि संयम से होकर गुजरता है। ऐसे व्यक्तित्व आज भी इसलिए स्मरण किए जाते हैं क्योंकि उन्होंने अपने जीवन से आदर्श स्थापित किए। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक भी है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, हिंसा, अपराध, भ्रष्टाचार, उपभोक्तावाद और सामाजिक असंवेदनशीलता का मूल कारण आत्मसंयम का अभाव है। जब इच्छाएं अनियंत्रित हो जाती हैं तो व्यक्ति सही और गलत का विवेक खो बैठता है। ऐसे समय में भारतीय संस्कृति का संयम का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

युवा पीढ़ी किसी भी राष्ट्र का भविष्य होती है। यदि युवा केवल भौतिक सफलता को ही जीवन का लक्ष्य बना लें और चरित्र निर्माण की उपेक्षा करें तो समाज का संतुलन बिगड़ना स्वाभाविक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं होना चाहिए बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी होना चाहिए। विद्यालयों और परिवारों में नैतिक शिक्षा, अनुशासन, सेवा, योग, ध्यान और भारतीय जीवन मूल्यों को स्थान देकर युवाओं को संयम का महत्व समझाया जा सकता है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश यह नहीं है कि आधुनिकता का विरोध किया जाए। विज्ञान, तकनीक और विकास का स्वागत होना चाहिए, लेकिन इनके साथ नैतिक मूल्यों का संतुलन भी आवश्यक है। यदि आधुनिकता के साथ संस्कार जुड़े रहें तो विकास मानव कल्याण का माध्यम बनेगा। अन्यथा भौतिक समृद्धि के बावजूद समाज भीतर से खोखला होता जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को केवल पुस्तकों या समारोहों तक सीमित न रखें, बल्कि उसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। माता-पिता का सम्मान करें, परिवार के साथ समय बिताएं, समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाएं, प्रकृति की रक्षा करें और अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना सीखें। यही भारतीय संस्कृति की वास्तविक पहचान है।

भारत की शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था या तकनीकी क्षमता जितनी ही उसके सांस्कृतिक मूल्यों में भी निहित है। संयम, त्याग, सहिष्णुता और आत्मानुशासन ने ही इस राष्ट्र को हजारों वर्षों तक जीवित रखा है। यदि हम इन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सफल रहे तो भारत केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र भी बनेगा। कवि मोहम्मद इकबाल ने लिखा था—सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा। इस पंक्ति को सार्थक बनाए रखने का मार्ग केवल भौतिक विकास से नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के उस शाश्वत संदेश से होकर जाता है जिसमें संयम को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

जर्सी के भगवा रंग पर हॉकी इंडिया की सफाई, कहा- खिलाड़ियों और कोचों की तकनीकी सलाह पर हुआ फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय हॉकी टीमों की नई भगवा (केसरिया) जर्सी को लेकर उठे सवालों के बीच हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि जर्सी के रंग में बदलाव खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सिफारिशों तथा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद किया गया है। संस्था ने कहा कि इस फैसले का मुख्य आधार तकनीकी जरूरत थी, न कि कोई अन्य कारण। हॉकी इंडिया के अनुसार खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने महसूस किया कि पारंपरिक नीली जर्सी अंतरराष्ट्रीय हॉकी में प्रचलित नीले सिंथेटिक टर्फ के साथ काफी हद तक मेल खाती है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर एक-दूसरे को पहचानने और दृश्य स्पष्टता बनाए रखने में कठिनाई होती थी। इसी कारण खिलाड़ियों और कोचों ने पीले या केसरिया रंग जैसे वैकल्पिक विकल्प सुझाए। बयान में कहा गया कि सभी सुझावों पर विचार करने के बाद केसरिया रंग को अंतिम रूप दिया गया। यह रंग न केवल तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त है, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों में से एक होने के कारण साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। हॉकी इंडिया ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी के रंग में बदलाव कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर व्यावहारिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार टीम की जर्सी में बदलाव किए जाते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 2014 एफआईएच हॉकी विश्व कप के दौरान भारतीय टीम ने पीले रंग की जर्सी पहनी थी, जबकि 2018 एफआईएच हॉकी विश्व कप में टीम की जर्सी का रंग आसमानी नीला रखा गया था और उसका डिजाइन भी पूरी तरह बदला गया था। हॉकी इंडिया ने अपने बयान के अंत में दोहराया कि मौजूदा केसरिया जर्सी का निर्णय पूरी तरह खिलाड़ियों और कोचों से मिले तकनीकी फीडबैक तथा राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े इस रंग के प्रतीकात्मक महत्व को ध्यान में रखकर लिया गया है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर दृश्यता मिलेगी और टीम के प्रदर्शन में भी सकारात्मक मदद मिलने की उम्मीद है। पूर्व भारतीय कप्तान और ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेन रासक्विन्हा ने भगवा कलर पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "मुझे कहना होगा कि हॉकी इंडिया ने कई अच्छे काम किए हैं, लेकिन यह फैसला शर्मनाक है। भारतीय टीम की पहचान और विरासत हमेशा से नीला रंग रही है। मैंने कई सालों तक गर्व के साथ नीली जर्सी पहनी है। प्रशंसक भी भारतीय टीम को नीले रंग में ही देखना चाहते हैं। नारंगी (केसरिया) रंग का क्या तर्क है?" गौरतलब है कि अगले महीने नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें पहली बार अपनी पारंपरिक नीली जर्सी की जगह केसरिया रंग की नई किट में मैदान पर उतरेंगी।

अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास, भावुक संदेश में कहा- 'हर शुरुआत का एक अंत होता है'

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल रहाणे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर अपने 20 वर्षों से अधिक लंबे क्रिकेट सफर को विराम देने का फैसला सुनाया। अपने संदेश में रहाणे ने कहा, "ज़िंदगी की सच्चाई यही है कि हर शुरुआत का एक अंत होता है। जब वह समय आता है तो उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया और उसकी अहमियत को समझा। आज मुझे लगता है कि आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सहित खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का यही सही समय है।" उन्होंने कहा, "डोंबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में अभ्यास करने के लिए सफर करने से लेकर भारत की टोपी पहनने तक, मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना था। मैंने हमेशा एक सिद्धांत अपनाया कि देश और टीम हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे। मैंने पूरी ईमानदारी से क्रिकेट खेला और हमेशा विश्वास किया कि यदि आपकी नीयत सही हो तो खेल आपका साथ देता है।" रहाणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, "प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबरदस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा

अध्याय भले समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है। अब मैं अगली पीढ़ी की मदद करना चाहता हूं, उन्हें इस खेल से सीखे गए मूल्य देना चाहता हूं और क्रिकेट को कुछ लौटाना चाहता हूं, जिसने मुझे सब कुछ दिया।" उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), मुंबई क्रिकेट संघ, अपने साथियों, कोचों, आईपीएल फ्रेंचाइजियों, पत्नी राधिका, परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मेरे करियर में जीत भी मिली और हार भी, गलतियां भी हुईं, लेकिन एक जगह मैं कभी नहीं हारा और वह आप सभी के दिल थे। आपने हमेशा मुझे अपना माना। आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। कैप नंबर 278, अब विदा लेता हूं।" अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट सफर मुंबई से शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने दूसरे रणजी ट्रॉफी सत्र में 1,000 से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और जल्द ही डरबन तथा वेलिंगटन में शानदार पारियों से खुद को स्थापित कर लिया। 2014 में लॉर्ड्स टेस्ट में खेली गई उनकी 103 रन की पारी भारत की 28 वर्षों बाद उस ऐतिहासिक मैदान पर पहली जीत की नींव बनी।

श्रीशंकर ने लंबी कूद में जीता रजत, एथलेटिक्स में भारत की चमक बरकरार

एजेंसी, ग्लासगो

भारत के स्टार लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय समयानुसार बुधवार को पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने बर्मिंघम 2022 में जीते गए रजत पदक की सफलता को दोहराया और लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के पोडियम पर जगह बनाई। 7 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने छह प्रयासों में दूसरे प्रयास में 8.09 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि दो प्रयास फाउल रहे, लेकिन पूरे मुकाबले में वह पदक की दौड़ में बने रहे। स्वर्ण पदक जमैका के तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ताजे गेल ने जीता। गेल ने चौथे प्रयास में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर मुकाबले पर निर्णायक बढ़त बना ली। उनका यह प्रदर्शन पूरे मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ रहा। स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी ने पहले ही प्रयास में 8.08 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी लोकेश सत्यनाथन ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 7.97 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। श्रीशंकर पूरे मुकाबले के दौरान बेहतरीन लय में दिखाई दिए और स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार बने रहे, लेकिन अनुभवी जमैकाई खिलाड़ी ताजे गेल ने निर्णायक क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मार ली। श्रीशंकर का यह रजत पदक राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के एथलेटिक्स अभियान के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय एथलेटिक्स की लगातार बढ़ती मजबूती का प्रमाण भी है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : भारत पदक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के सातवें दिन बुधवार को भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। पैरा एथलेटिक्स में दिलीप गावित ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जबकि उनके हमवतन मोहम्मद बासिल ने रजत पदक हासिल कर भारत को इस स्पर्धा में ऐतिहासिक 1-2 फिनिश दिलाई। वहीं, लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक जीतकर लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम पर जगह बनाई। दिन की शुरुआत भारतीय मुक्केबाजों के शानदार प्रदर्शन से हुई, जहां साक्षी चौधरी, अरुंधति चौधरी और सचिन सिवाच सहित कुल छह भारतीय मुक्केबाजों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। दिलीप गावित ने 10.71 सेकंड के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक अपने नाम किया। यह भारत का इस संस्करण का तीसरा स्वर्ण पदक रहा। दूसरी ओर, मुरली श्रीशंकर ने जमैका के ताजे गेल के कड़े मुकाबले के बीच 8.09 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी को कांस्य पदक मिला, जबकि भारत के लोकेश सत्यनाथन पांचवें स्थान पर रहे।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: दिलीप गावित ने जीता स्वर्ण, मोहम्मद बासिल को रजत

एजेंसी, ग्लासगो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय पैरा एथलेटिक्स दल ने बुधवार को इतिहास रच दिया। दिलीप गावित और मोहम्मद बासिल ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को ऐतिहासिक डबल पोडियम दिलाया। दिलीप गावित ने 10.71 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड भी बन गया। वहीं मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया।

दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोत्तोलन में मीराबाई चानू और पैरा शॉटपुट में शर्मिला धनकर भारत को स्वर्ण पदक दिला चुकी हैं। महाराष्ट्र के नासिक जिले के निकट स्थित छोटे से गांव तोरण डोंगरी में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बचपन में वह अपने माता-पिता के साथ खेतों में काम करते थे। महज पांच-छह वर्ष की उम्र में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई। समय पर उचित इलाज नहीं मिलने से चोट गैंग्रीन में बदल गई और कोहनी के नीचे से उनका हाथ काटना पड़ा।

बिजनेस

धवल पैकेजिंग का आईपीओ लॉन्च, तीन अगस्त तक लगाई जा सकती है बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

प्लास्टिक पैकेजिंग सॉल्यूशंस का निर्माण करने वाली कंपनी धवल पैकेजिंग लिमिटेड का 36.36 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में तीन अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद चार अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 92 रुपये से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,32,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 37,48,800 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 45.84 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 32.14 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 13.80 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा और कंपनी के कर्मचारियों के लिए 3.20 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए रेयरएवर फाइनेंशियल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं न्यू बेरी कैपिटल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। धवल पैकेजिंग की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 6.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 8.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 48.08 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 52.43 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 65.20 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 19.28 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 16.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 24.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 5 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल, 31 जुलाई है आखिरी तारीख

एजेंसी, नई दिल्ली : आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 5 करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) पहले ही फाइल किए जा चुके हैं। आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख (डेडलाइन) 31 जुलाई है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में करदाताओं को सलाह दी है कि अंतिम तारीख आने से पहले सभी करदाता आईटीआर-1 और आईटीआर-2 जमा कर दें ताकि डेडलाइन के पास आने पर जल्दबाजी और अन्य तकनीकी व्यवधानों से बचा जा सके। विभाग ने कहा, "आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 5 करोड़ से ज्यादा आईटीआर पहले ही भरे जा चुके हैं। आखिरी समय की हड़बड़ी का इंतजार न करें। आज ही असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए अपना आईटीआर-1 या आईटीआर-2 मिलान करें और फाइल करें।" स्मार्ट तरीके से http://incometax.gov.in पर अपना आईटीआर फाइल करें। आयकर विभाग ने यह रिमाइंडर उन करदाताओं के लिए 31 जुलाई की डेडलाइन से पहले दिया है, जिन्हें आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न फाइल करने के लिए अपने अकाउंट्स का ऑडिट कराने की जरूरत नहीं है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला जुनिपर ग्रीन एनर्जी का आईपीओ, 6 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी जुनिपर ग्रीन एनर्जी का 1,800 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू (आईपीओ) आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में निवेशक तीन अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद चार अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 214 रुपये से लेकर 225 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 66 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 66 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,850 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,050 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 858 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,800 करोड़ रुपये

के कुल 8,00,09,150 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.94 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.96 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.98 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 0.12 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 40.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर 36.48 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 40.46 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 424.45 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 569.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 804.93 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 2,671.70 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 5,502.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 12,920.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज की स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री

एजेंसी, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश की आईटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर कंपनी एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 127 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के पर इसकी लिस्टिंग 2.44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 130.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4.72 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 136 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 136.90 रुपये के स्तर तक पहुंचे। इसी तरह बिकवाली होने पर ये शेयर 129.20 रुपये के स्तर तक लुढ़क भी गए। दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 129.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 2.20 रुपये यानी 1.73 प्रतिशत का फायदा हुआ था। एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज का 166.80 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 27 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 8.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 26.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 8.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,31,34,000 नए शेयर जारी किए गए हैं।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 600 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

स्टॉक मार्केट में इंडो एमआईएम की मजबूत एंट्री, आईपीओ निवेशकों को बंपर मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 485 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 44.95 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 703 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 44.33 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 700 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही 731.40 रुपये के स्तर तक

पहुंच गए। हालांकि, बाद में इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दोपहर 12 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 729.55 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 244.55 रुपये यानी 50.42 प्रतिशत का फायदा हो चुका था। इंडो एमआईएम का 3,811.21 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 27 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 72.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 204.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 50.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.44 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखें : सानवी तलवार

हाल ही में अभिनेत्री सानवी तलवार ने अपने जीवन के अनुभवों और सार्वजनिक मंच पर अपनी बात रखने की क्षमता में आए बदलाव पर खुलकर बात की। अपनी हॉरर-थ्रिलर फिल्म खामोश आहटें को लेकर चर्चाओं में रहने वाली अभिनेत्री ने बताया कि अब वे पहले के मुकाबले अपनी राय रखने में कहीं अधिक सहज महसूस करती हैं। सानवी ने कहा कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पहले वह केवल सीमित लोगों से बात करती थीं, लेकिन अब उन्हें समझ आया है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंचती है, तो उसका मूल अर्थ बदल सकता है। सानवी का मानना है कि आज वह खुलकर अपनी बात रखने में इसलिए सहज हैं, क्योंकि यह उनका अपना फैसला है और उन्हें अब इस बात की परवाह नहीं कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। उनके अनुसार, अगर उन्हें लगता है कि कोई बात सही है, तो उसके बारे में बोलना बेहद ज़रूरी है। दरअसल, सानवी तलवार ने एक पुराने इंटरव्यू के दौरान अभिनेता करण कुंद्रा पर आरोप लगाया था। उन्होंने बताया था कि 2015 के टीवी शो ये कहां आ गए हम के सेट पर एक सीन के दौरान करण ने डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले उन्हें जबरन किस किया था। इसके जवाब में सानवी ने करण को थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद करण ने उन्हें भी जोरदार थप्पड़ मारा और गाली गलौज की थी।

इस घटना को इतनी देर बाद सार्वजनिक करने को लेकर उठे सवालों पर सानवी ने उन महिलाओं को संबोधित किया जो अपनी बात कहने से झिझकती हैं। उन्होंने हर महिला से आग्रह किया कि अगर आपके साथ कुछ गलत हुआ है और आप उस समय नहीं बोल पाईं, तो भी कभी देर नहीं होती। जब आपको सही लगे और आप तैयार महसूस करें, तब अपनी बात सामने रखें। सानवी ने बताया कि उनकी बात किसी के माध्यम से अनुषा दांडेकर (करण कुंद्रा की पूर्व गर्लफ्रेंड) के पास पहुंच गई थी, और जब वह सेट पर आईं, तो उनकी मौजूदगी ने उन्हें काफी सुकून और सहयोग महसूस करवाया था।

भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे बनना चाहती है मां, किया बडा खुलासा

रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के हाल ही में सामने आए प्रोमो वीडियो में अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने अपनी जिंदगी से जुड़ा बडा खुलासा किया है। इस प्रोमो में आम्रपाली दुबे कहती हैं कि वह मां बनना चाहती हैं। आम्रपाली की यह बात सुनकर उनके परिवार के सदस्य हैरान रह जाते हैं। उनके पिता को पहले इस बात पर विश्वास नहीं होता, जबकि उनकी बहन उनसे यह जानना चाहती हैं कि क्या वह अपने फैसले को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। इस पर आम्रपाली बिना किसी झिझक के कहती हैं कि उन्होंने इस बारे में गंभीरता से सोचा है और अपने निर्णय को लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं। बातचीत के दौरान परिवार के सदस्यों की भावुक प्रतिक्रिया भी देखने को मिलती है। प्रोमो में आम्रपाली ने अपनी इस इच्छा का जिक्र किया है, लेकिन उन्होंने शादी का कोई उल्लेख नहीं किया। इसी वजह से सोशल मीडिया पर दर्शकों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, प्रोमो में उनके बयान का पूरा संदर्भ सामने नहीं आया है, इसलिए शो के प्रसारण के बाद ही उनकी बात का वास्तविक अर्थ स्पष्ट हो सकेगा। आम्रपाली दुबे भोजपुरी फिल्म उद्योग की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हैं। वह अपनी फिल्मों और गीतों के साथ-साथ अभिनेता दिनेश लाल यादव के साथ अपनी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने कई फिल्मों में खूब पसंद किया है। दोनों कलाकार अब 'भोजपुरी बवाल' में भी एक साथ नजर आएंगे। इस रियलिटी शो में आम्रपाली दुबे के अलावा तेज प्रताप यादव, पवन सिंह और दिनेश लाल यादव जैसे कई चर्चित चेहरे भी हिस्सा ले रहे हैं। प्रोमो से संकेत मिलता है कि शो में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि कलाकारों की निजी जिंदगी, रिश्तों और भावनात्मक अनुभवों से जुड़े कई पहलुओं को भी दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। 'भोजपुरी बवाल' का प्रसारण 2 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर शुरू होगा।

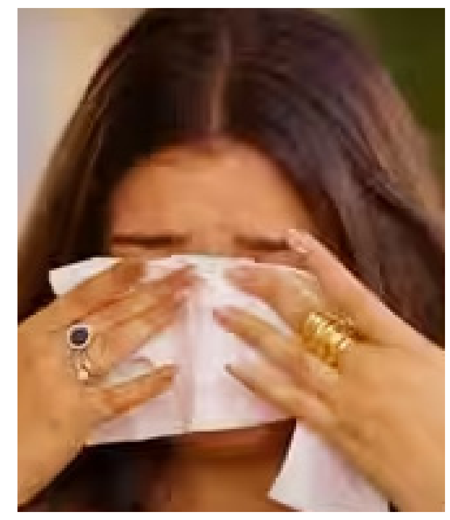

एयरपोर्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना और दिशा का हुआ मिलन

वीडियो हो रहा तेजी से वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन एक बार फिर अपने पशु प्रेम के कारण चर्चा में हैं। दरअसल, हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर जब उनकी मुलाकात अभिनेत्री दिशा पाटनी से हुई, तो रवीना ने दिशा को अपने पालतू डॉगी से मिलवाया। दोनों अभिनेत्रियों का यह दिल छू लेने वाला वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में रवीना टंडन अपने पालतू डॉगी के साथ एयरपोर्ट पर नजर आती हैं। इसी दौरान वहां से गुजर रही दिशा पाटनी से उनकी मुलाकात होती है। रवीना मुस्कुराते हुए अपने डॉगी को दिशा से मिलवाती हैं, और दिशा भी बड़े प्यार से डॉगी को सहलाती हैं तथा उसके साथ कुछ पल बिताती हैं। इस दौरान दोनों अभिनेत्रियां आपस में बातचीत करती हुई भी दिखाई देती हैं, जिससे उनके बीच की सहजता साफ झलकती है। दोनों अभिनेत्रियों ने एयरपोर्ट पर बेहद साधारण और आरामदायक लुक अपनाया था। रवीना टंडन एक स्टाइलिश ब्लैक कलर के को-ऑर्ड सेट में नजर आईं, जबकि दिशा पाटनी ने स्लीवलेस ब्लैक टॉप के साथ मैचिंग ट्राउजर पहना था, जो उनके कैजुअल लेकिन चिक अंदाज को दर्शाता है। बता दें कि रवीना टंडन लंबे समय से पशु प्रेम के लिए सक्रिय रूप से काम करती रही हैं। वह अक्सर अपने पालतू जानवरों के साथ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इस विषय पर जागरूकता बढ़ाती हैं। कुछ समय पहले, रवीना ने अपने प्रशंसकों के साथ एक घटना साझा की थी, जब उन्होंने एयरपोर्ट पर मिले एक लावारिस पिल्ले को बचाया था, जिसका नाम उन्होंने भैरव रखा। इतना ही नहीं, उन्होंने उस पिल्ले के लिए एक सुरक्षित और स्थायी घर भी ढूंढ़ा। इस पूरे रेस्क्यू मिशन की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी, जिससे लोगों को जानवरों की मदद करने के लिए प्रेरणा मिली। रवीना हमेशा लोगों से एडॉप्ट, डोंट शॉप यानी जानवरों को खरीदने के बजाय उन्हें गोद लेने की अपील करती रही हैं, ताकि बेघर जानवरों को एक परिवार मिल सके। पिछले साल भी रवीना टंडन ने पालतू जानवरों के साथ यात्रा करने को लेकर अपनी राय खुलकर रखी थी। उन्होंने एयर इंडिया से आग्रह किया था कि वह उन एयरलाइंस से प्रेरणा ले, जो यात्रियों को अपने दो पालतू जानवरों के साथ यात्रा करने की सुविधा देती हैं।

कृति सेनन ने कभी नहीं सोचा था अभिनेत्री बनने के बारे में

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन अपनी खूबसूरती, दमदार अभिनय और विभिन्न किरदारों के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। अभिनेत्री के इस सफर की शुरुआत किसी बड़े फिल्मी स्टूडियो से नहीं, बल्कि घर के एक साधारण फोटोशूट से हुई थी। उनकी बहन नूपुर सेनन ने जब कैमरे से कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यही तस्वीरें आगे चलकर उनके बड़े सपनों की पहली सीढ़ी बनेंगी। कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ था। उनके पिता राहुल सेनन एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि उनकी मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रह चुकी हैं। उन्होंने दिल्ली से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और उसके बाद नोएडा के एक इंस्टीट्यूट से बीटेक की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों तक कृति ने कभी अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था; वह पढ़ाई में हमेशा काफी अच्छी थीं। अपनी लंबी हाइट और आत्मविश्वास देखकर उनके दोस्तों ने उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। शुरुआत में कृति को यह बात अजीब लगी, क्योंकि उन्होंने कभी कैमरे के सामने आने की कल्पना नहीं की थी। फिर भी, उन्होंने एक बार किस्मत आजमाने का फैसला किया। इसमें उनकी बहन नूपुर ने उनका पूरा साथ दिया। कृति के पास कोई पेशेवर पोर्टफोलियो नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी बहन से कुछ तस्वीरें खींचने का अनुरोध किया। नूपुर ने घर पर ही कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, जिन्हें कृति ने एक ऑनलाइन मॉडलिंग कॉन्टेस्ट के लिए भेज दिया। किस्मत ने साथ दिया और वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। इस जीत के बाद उन्हें मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी के साथ एक पेशेवर पोर्टफोलियो शूट करने का मौका मिला, जिसने उनके मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। मॉडलिंग के बाद कृति ने फिल्मों की ओर रुख किया और साल 2014 में तेलुगु फिल्म 1: नेनोक्काडाइन से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आईं। उसी साल, उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू का पुरस्कार मिला।

इसके बाद कृति ने कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया। वह शाहरुख खान और वरुण धवन के साथ दिलवाले, आयुष्मान खुराना और राजकुमार राव के साथ बरेली की बर्फी, कार्तिक आर्यन के साथ लुका छुपी और अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल 4 जैसी सफल फिल्मों में नजर आईं। बरेली की बर्फी में उनके छोटे शहर की लड़की वाले किरदार को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। कृति के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2021 में आई फिल्म मिमी रही, जिसमें उन्होंने सरोगेट मां का दमदार किरदार निभाया था। इस भूमिका के लिए उन्होंने अपना वजन भी बढ़ाया और खुद को पूरी तरह किरदार में ढाला। उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई और उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला, साथ ही उन्होंने फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीता। इसके बाद कृति ने लगातार अलग-अलग तरह के किरदार चुने और भेड़िया, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, क्रू और दो पत्ती जैसी फिल्मों में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया।

प्राजक्ता के साथ काम करना बेहद शानदारः मिहिर आहूजा

अभिनेत्री प्राजक्ता कोली इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में प्राजक्ता पहली बार अभिनेता मिहिर आहूजा के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। यह वेब सीरीज 1999 के कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में अभिनेता मिहिर आहूजा ने प्राजक्ता के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए हैं। मिहिर ने कहा, प्राजक्ता के साथ काम करना मेरे लिए बेहद शानदार अनुभव रहा। वह हर सीन में अपनी ईमानदारी और सहजता लेकर आती हैं, जिसकी वजह से हमारे किरदारों के बीच रिश्ते को पर्दे पर स्वाभाविक ढंग से निभाना आसान हो गया। उन्होंने आगे बताया कि चूंकि यह उनका पहला प्रोजेक्ट है, इसलिए उनके बीच की नई ऊर्जा स्क्रीन पर साफ दिखाई देगी, जो दर्शकों को पसंद आएगी। मिहिर ने यह भी कहा, यह कहानी युद्ध, साहस और बलिदान पर आधारित ज़रूर है, लेकिन इसके बीच किरदारों के भावनात्मक रिश्ते भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन भावनात्मक पहलुओं से भी उसी तरह जुड़ेंगे, जैसे हम शूटिंग के दौरान जुड़े थे। अपने किरदार को लेकर मिहिर आहूजा ने कहा, एक युवा एयरफोर्स पायलट का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात रही। इस किरदार को निभाते समय मुझे यह महसूस हुआ कि भारतीय वायुसेना के जवान किस तरह अपनी जान की परवाह किए बिना देश की रक्षा करते हैं। इस रोल के साथ एक बड़ी जिम्मेदारी जुड़ी हुई थी, और मैंने पूरी ईमानदारी के साथ इसे निभाने की कोशिश की है। उन्होंने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। शूटिंग के दौरान उन्होंने एयरफोर्स के अनुशासन, समर्पण और मेहनत को करीब से समझा। यह एक ऐसा अनुभव है जिसे वह जिंदगीभर नहीं भूल सकते, और ऑपरेशन सफेद सागर हमेशा उनके दिल के बेहद करीब रहेगा। सीरीज की कहानी भारतीय वायु सेना के उस ऐतिहासिक मिशन पर आधारित है, जिसे कारगिल युद्ध के दौरान अंजाम दिया गया था। यह मिशन करीब 47 दिनों तक चला था और इसे भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण अभियानों में से एक गिना जाता है। शो में युद्ध के दौरान की कठिन परिस्थितियों, सैनिकों के अटूट हौसले और उनकी देशभक्ति की भावना को बड़े प्रभावी ढंग से दिखाया जाएगा। इस सीरीज में मिहिर आहूजा के अलावा सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन और तारुक रैना जैसे कई प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में आशीर्वाद प्राप्त किया सारा अली खान ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने अपनी करीबी दोस्त के साथ नईदिल्ली में पवित्र सिख धर्मस्थल गुरुद्वारा बंगला साहिब में आशीर्वाद प्राप्त किया। उनका यह सहज और श्रद्धापूर्ण अंदाज़ सोशल मीडिया पर भी खूब सुर्खियां बटोर रहा है, जहां फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दिल्ली के एक पैपराजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में सारा अली खान और सारा वैसोहा को गुरुद्वारे में प्रवेश करते देखा गया। इस दौरान दोनों ने सफेद शर्ट और ब्लू डेनिम्स पहन रखी थी, जो उनके कैजुअल लेकिन शालीन पहनावे को दर्शाता था। गुरुद्वारे की मर्यादा का सम्मान करते हुए, दोनों ने अपने सिर पर दुपट्टा भी ओढ़ रखा था। उनका यह सहज रूप फैंस को बेहद पसंद आया, और उनकी तस्वीरें व वीडियो तेज़ी से वायरल हो गए। गुरुद्वारा जाने से ठीक पहले, सारा अली खान दिल्ली में आयोजित इंडिया कुट्योर वीक में शिरकत कर रही थीं। उन्होंने ताज पैलेस होटल में फैशन डिजाइनर कुणाल रावल के शो में हिस्सा लिया था, जहां कई अन्य बॉलीवुड सितारे भी मौजूद थे। एक हाई-प्रोफाइल फैशन इवेंट के तुरंत बाद गुरुद्वारे पहुंचना, उनकी सादगी और परंपरा के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सारा अली खान हाल ही में फिल्म पति पत्नी और वो 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की थी। अब वह एक बार फिर आयुष्मान खुराना के साथ आगामी स्पाई-कॉमेडी फिल्म उड़ता तीर में दिखाई देंगी। इस फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक कर रहे हैं, जबकि इसे धर्मा प्रोडक्शंस और सिख्या एंटरटेनमेंट मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म के 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है, हालांकि मेकर्स ने अभी तक इसकी कहानी और अन्य जानकारियों को गोपनीय रखा है। सारा के फैंस उनकी आगामी फिल्मों और उनके इस धार्मिक अंदाज को लेकर काफी उत्साहित हैं। मालूम हो कि सारा अली खान अपनी सादगी और धार्मिक प्रवृत्ति के लिए जानी जाती हैं। जब भी वह देश की राजधानी दिल्ली आती हैं, तो प्रसिद्ध गुरुद्वारा बंगला साहिब जाकर मत्था टेकना उनकी एक पुरानी और प्यारी परंपरा रही है।

BRIFF NEWS

UK company in spotlight as Nishikant Dubey vows 'disclosure' in Parliament

New Delhi, Agency: BJP MP Nishikant Dubey Tuesday said he will soon make a disclosure in Parliament about a UK-registered company allegedly linked to an Indian MP, igniting speculation over who could be the target. "Which Indian politician is a director in Backops Limited (UK)? Which companies have their address at 2 Frognal Way, London NW3 6XE? What is the connection of that Indian neta with Brian Lovegrove and Ulrik McKnight? Everything will be revealed inside Parliament," Dubey posted on X, piquing interest and sparking buzz hinting that Parliament might witness yet another showdown. Talking to reporters in Parliament complex, the Godda MP elaborated on his claim by saying that two individuals, Brian Lovegrove and Ulrik McKnight, linked to Backops Limited, were associated with hundreds of companies, including a few TV channels, all registered at the same address: a claim that implied that Backops Limited was not a genuine business enterprise.

India slams POK elections, Pakistan's claims over Indus Valley legacy

New Delhi, Agency: India slammed Pakistan for the Pakistan-occupied Kashmir (POK) polls, saying the "cosmetic electoral exercise" was just an attempt to camouflage the illegal occupation of Indian territory. Ministry of external affairs (MEA) reiterated India's "consistent, clear and well known" position that the entire Union territories of Jammu & Kashmir and Ladakh, including the areas currently under Pakistan's illegal and forcible occupation, are integral and inalienable parts of India. "We have seen reports regarding the so-called legislative assembly elections being conducted in POK...the current cosmetic electoral exercise is nothing but an attempt by Pakistan to camouflage its illegal occupation and hide its grave human rights viola-

1 officer, 1 car: Government tightens rules for use of official vehicle for staff

New Delhi, Agency: Government has tightened the rules governing the use of official vehicles by employees, stating that an officer entitled to a govt staff car cannot be allotted more than one official vehicle, even when they hold additional charge of another ministry, department, public sector undertaking, or autonomous body.

In addition, it has barred officers entitled from using vehicles belonging to PSUs and autonomous bodies, except when they are on official tour.

Deeply concerning': In UNSC, India strongly condemns attacks on commercial ships near Hormuz

New Delhi, Agency: India has called for an immediate de-escalation of tensions in West Asia following a fresh escalation of hostilities in the region, while strongly condemning recent attacks on commercial vessels transiting the Strait of Hormuz. New Delhi said attacks on civilian shipping must stop and free navigation through international waterways should be restored at the earliest.

Addressing a United Nations Security Council open debate on the situation in the Middle East on Tuesday, India's permanent representative to the UN, ambassador Parvathaneni Harish, said the recent rise in violence after a brief pause in the conflict was "deeply concerning."

"After a brief pause in the ongoing conflict in the region, there has been a worrying resumption of attacks and escalation of hostilities. This is deeply concerning and India calls for an immediate de-escalation of tensions," Harish said.

India also strongly condemned attacks on several vessels, including GFS Galaxy, MT Al Bahiyah and MT Mombasa, during their transit through the Strait of Hormuz earlier this month. The attacks affected Indian nationals, with one Indian killed, another reported missing and several others injured, including some seriously. "India has consistently condemned acts of violence targeting seafarers and disrupting free and safe navigation through international waterways like the Strait of Hormuz," Harish said.

He added, "The targeting of commercial shipping and civilian infrastructure in the region must end, and free and unimpeded navigation and commerce through the international waterways in the region, in keeping with international law, must be restored at the earliest."

The remarks come amid the conflict involving the United States, Israel and Iran. According to the United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific, Iran declared the Strait of Hormuz closed again on July 11 following attacks on commercial vessels that began on July 6.

TSZP Marks Tiger Day, Wraps Up Van Mahotsava with Green Drive

Jamshedpur: Tata Steel Zoological Park (TSZP) celebrated International Tiger Day on Wednesday by combining the observance with the closing ceremony of its month-long Van Mahotsava programme, reinforcing its commitment to wildlife conservation and environmental sustainability.

The event was inaugurated with a tree plantation drive inside the zoo premises, symbolising continued efforts toward habitat restoration and biodiversity conservation. Saba Alam Ansari, Divisional Forest Officer (DFO), Jamshedpur Forest Division, attended as the chief guest and addressed students on the importance of protecting tigers, forests, and natural ecosystems. He encouraged young participants to become active contributors to wildlife conservation.

HAF Duo Wins Gold as India Clinches Youth Hockey5s Asia Title

Ashish Tani Purti and video analyst Abhijeet Hazary help India defeat Pakistan and qualify for the inaugural FIH Youth Hockey5s World Cup

Jamshedpur: Hockey Ace Foundation (HAF), a joint initiative of Tata Steel and Tata Trusts, celebrated a major international success as Naval Tata Hockey Academy (NTHA) cadet Ashish Tani Purti and Odisha Naval Tata Hockey High-Performance Centre Video Analyst Abhijeet Hazary played key roles in India's triumphant campaign at the Men's Youth Hockey5s Asian Championship in Muscat, Oman. India defeated archrivals Pakistan 3-1 in the final to complete an unbeaten run and lift the continental title. With their place in the final, the Indian team also secured qualification for the inaugural

FIH Youth Hockey5s World Cup, marking another milestone for the country's youth hockey programme. For Ashish Tani Purti, the victory marked his second international gold medal, following India's title-winning campaign at the Asia Cup in Japan last month. Abhijeet Hazary continued his impressive association with the national team after previously serving as Video Analyst for India's gold medal-winning men's side in Japan and the bronze medal-winning Indian women's team. Congratulating the duo, Gurmeet Singh Rao, Project Director of Hockey Ace Foundation, said their achievement reflects the with advanced tactical analysis.

Don't touch water bodies under garb of beautification, Supreme Court tells Bihar government

New Delhi, Agency: Taking a stern view of allegations that the Bihar govt is filling parts of three historic ponds in Darbhanga to create public amenities such as recreation spaces and stalls, Supreme Court on Tuesday warned the state govt "not to touch the water bodies under the garb of beautification" without its approval.

A bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta directed the state to immediately stall ongoing work related to 'Beautification and Rejuvenation of Gangasagar, Digghi and Harahi Lake' project. Although the state refuted allegations of encroachment and urged Supreme Court to allow the work to continue, describing it as an ambitious project worth more than Rs 100 crore, the bench refused to budge and ordered that no further work be carried out.

"You can't fill up water bodies under the garb of beautification. Do not touch the water ponds, keep your hands off and tell your officers not to touch the ponds," it told advocate Manish Kumar, who was appearing for the state.

SC instructs Bihar government: Media had reported on July 13, with photographs, that three ponds in Darbhanga were being filled with soil and boulders to make way for stalls and footpaths, despite opposition from local residents and environmentalists. Advocate Renu Prajapati, appearing for Darbhanga-based voluntary group Talab Bachao Abhiyan, informed the bench that the three ponds form part of a list of protected wetlands and that any construction on their banks would violate rules and earlier rulings of Supreme Court. She also pointed out that the state, in its own affidavit, had admitted that around four acres of the ponds would be filled under the project.

The state claimed that no arbitrary filling of the water bodies was taking place and that the activity was highly restricted and meticulously planned "earth filling & stone pitching" work. "This process is a necessity to stabilise and strengthen the severely eroded embankments, directly executing the mandate of NGT's order. Furthermore, soil-filling footprint is strictly limited - for instance, constituting exactly 1 acre out of the 37.7-acre Harahi site, 1.42 acres out of the 50.9 acres at Digghi Lake, and 1.69 acres out of 44.2 acres at Gangasagar Lake," the state's affidavit stated.

Union minister, BJP MP got NHB subsidies, mantri refunded it: Government

New Delhi, Agency: Union minister of state for agriculture Bhagirath Choudhary and BJP MP from Sirohi in Rajasthan Lumba Ram received financial assistance under a central scheme in 2026 and 2025, govt informed Parliament Tuesday, adding that Choudhary, however, refunded the subsidy.

In a written reply to Lok Sabha, minister of state for agriculture Ramnath Thakur said, "Bhagirath Choudhary has communicated that he has refunded the subsidy to the bank concerned under the scheme. The bank concerned has been directed to return the subsidy amount to the National Horticulture Board (NHB)".

He added, "The existing NHB scheme guidelines do not contain any specific provision regarding conflict of interest or recusal in respect of applications submitted by public functionaries or their family members." Thakur was replying to a query by Trinamool Congress MP Abhishek Banerjee, who wanted to know whether any serving Union minister, MP or their immediate family members received subsidy under schemes of the NHB during the last five years. Thakur said, "The NHB processes all applications for financial assistance under its schemes through a transparent mechanism... All eligible applicants are treated equally, and applications are considered solely on the basis of the eligibility criteria and compliance with the provisions of the scheme."

Not rebels but traitors': Kirti Azad seeks disqualifica'tion of breakaway TMC MPs:

New Delhi, Agency: The Trinamool Congress (TMC) on Wednesday termed members of its breakaway faction "traitors" and demanded their immediate disqualification from Parliament.

Accusing the MPs of openly defecting from the party, TMC leader Kirti Azad told reporters that they should not be treated as rebels but as "traitors". He urged Lok Sabha Speaker Om Birla to cancel their membership without delay. "These individuals are traitors, not rebels. Their membership should be cancelled immediately, as they are openly defecting. The Speaker has not yet designated them as a separate group, nor have they received official recognition. Therefore, the membership of these TMC traitors must be cancelled immediately," Azad said.

Delhi Gymkhana Club lease over, can't stop takeover: Govt in HC:

New Delhi, Agency: The Centre on Tuesday told the Delhi High Court that it has no legal authority to restrain the government from proceeding with the takeover of the Delhi Gymkhana Club premises after the termination of the club's perpetual lease and the issuance of a show-cause notice for eviction under the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act.

The submission came in response to an application filed by Delhi Gymkhana Club member Vijay Khurana, who has sought a stay on the show cause notice issued by the Estate Officer. The Centre argued that the Public Premises Act provides its own adjudicatory and appellate mechanism and expressly bars civil courts from granting injunctions against proceedings initiated by the Estate Officer.

Hearing the matter, Justice Avneesh Jhingan listed Khurana's suit, along with a similar plea filed by the Delhi Gymkhana Club Staff Welfare Association, for September 3, after senior counsel appearing for the petitioners said the Centre's reply had been received only late on Monday night and time was needed to file a rejoinder.

When the petitioners sought clarification on whether the Centre's earlier assurance that the hearing before the Estate Officer would remain adjourned would continue in the meantime, the court responded, "Obviously".